मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 324
रविवार, 14 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बड़ी शक्तियों को अब युद्धक्षेत्र में बढ़त नहीं, छोटी ताकतें भी दे सकती हैं मात': रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

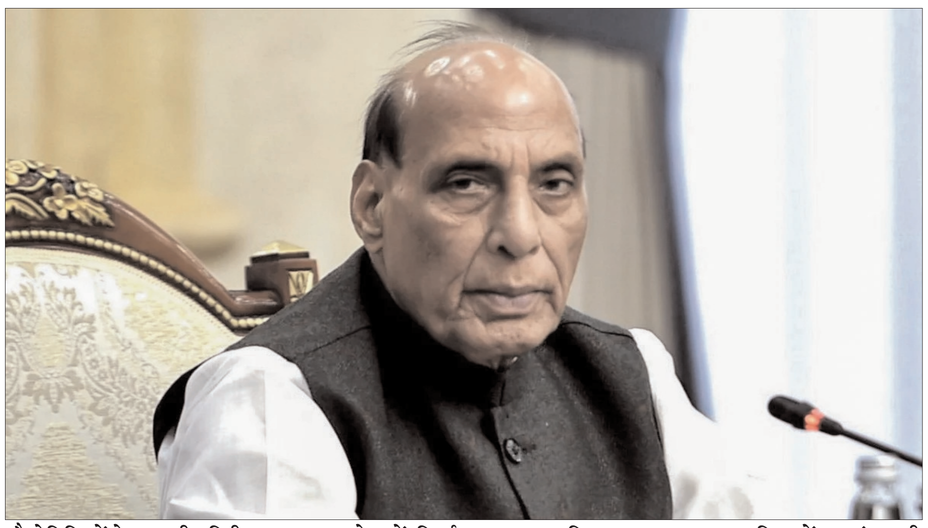

नई दिल्ली, 13 जून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को भारतीय वायु सेना अकादमी में आयोजित संयुक्त स्नातक परेड को संबोधित किया। सशस्त्र बलों में शामिल होने वाले नए सैन्य अधिकारियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए आगाह करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक संघर्ष का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब युद्धक्षेत्र में बड़ी महाशक्तियों को पहले जैसी निर्णायक बढ़त हासिल नहीं है, क्योंकि उभरती प्रौद्योगिकियों और नई रणनीतियों के दम पर छोटी ताकतें भी भारी नुकसान पहुँचाने में सक्षम हैं।

सिंह ने यहां के निकट स्थित भारतीय वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियों ने युद्ध की परिही बदल दी है। रक्षा मंत्री ने कहा, पहले ऐसा लगता था कि बड़ी शक्तियों को युद्धक्षेत्र में निर्णायक बढ़त हासिल होती थी लेकिन अब तुलनात्मक रूप से छोटी ताकतें भी अपने छोटे लेकिन खतरनाक हथियारों एवं नयी रणनीतियों से भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। आप सभी को यह बताने का मेरा उद्देश्य यही है कि आप युद्ध के हर स्वरूप के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें।

उन्होंने भारतीय वायु सेना में शामिल होने वाली महिला पायलटों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी भागीदारी से वायु सेना और अधिक शक्तिशाली, संतुलित तथा मजबूत हुई है तथा यह समावेशी बल की ताकत को दशार्ता है।

उन्होंने अत्यंत जोखिम भरे बचाव अभियानों में भारतीय वायु सेना की सफलता और संकट के समय विदेशी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उसकी भूमिका को भी रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, ह्यह्यभारतीय वायु सेना ने मानवीय अभियानों के दौरान भारतीय संस्कृति और मूल्यों की प्रतिष्ठा बढ़ाई है।

3 प्रवासी मजदूरों की मौत, हाईटेंशन तारों का खंबा गिरने से हुआ दर्दनाक हादसा

वडोदरा, 13 जून। गुजरात के वडोदरा जिले में हाई-टेंशन पारेषण टावर के गिरने से तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और इतने ही लोग मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना नौ जून को उस समय हुई, जब छह कर्मचारी सरकारी कंपनी 'पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन' के एक टावर पर काम कर रहे थे।

डभोई पुलिस थाने के जांच अधिकारी ने कहा, वडोदरा के डभोई तालुका में एक हाई-टेंशन पारेषण टावर के गिरने से पश्चिम बंगाल के तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों का एक समूह किसी काम के लिए टावर पर चढ़ा था, तभी टावर का आधार अस्थिर हो गया और वह अचानक जमीन पर गिर पड़ा, जिससे उस पर मौजूद अन्य लोग भी नीचे गिर गए।

पुलिस के अनुसार, सभी मजदूरों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर उनमें से एक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दो अन्य की इलाज के दौरान दो दिन बाद मौत हो गई। तीन अन्य मजदूरों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान खानो कालूभाई मर्दी (30), राजन सुनीराम (30) और बबलू बास्की (37) के तौर पर हुई है, जो काम की तलाश में बंगाल से गुजरात आए थे।

अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ने इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

जौनपुर: दूल्हा आजाद बिंद हत्याकांड के छह आरोपी गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना पुलिस ने दुल्हा आजाद बिंद हत्याकांड के वांछित आरोपियों को शरण देने और पुलिस कार्रवाई के दौरान उन्हें फरार कराने में सहयोग करने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत खेतासराय पुलिस ने थाना क्षेत्र के नौली गांव से छह वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी थाना खेतासराय में दर्ज मुकदमा संख्या 91/2026 में वांछित चल रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में मनोज कुमार राजभर, शरद उर्फ सनोज, राकेश राजभर, सुभाष राजभर, सर्वेश राजभर तथा वीरेंद्र राजभर शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि इन लोगों ने तीन मई 2026 को हुए चर्चित दुल्हा आजाद बिंद हत्याकांड के मुख्य आरोपियों को संरक्षण दिया था।

साथ ही, गिरफ्तारी के लिए पहुंची पुलिस टीम का विरोध करते हुए हत्याकांड के वांछित आरोपियों को मौके से फरार कराने में भी मदद की थी। पुलिस ने बताया कि विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन में इन सभी की संलिप्तता प्रकाश में आई, जिसके आधार पर इन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार राय सहित खेतासराय थाने की पुलिस टीम शामिल रही।

12 साल में बदली देश और काशी की तस्वीर, विकास का बना नया मॉडल : सुरेश खन्ना

◆विश्वनाथ धाम से रिंग रोड तक विकास की नई पहचान 36,211 करोड़ की 536 परियोजनाएं पूरी 25 हजार करोड़ की योजनाएं निमार्णाधीन

सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर शनिवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा वाराणसी के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि इन वर्षों में देश और काशी दोनों की तस्वीर बदली है। जनकल्याण, सुशासन और विकास की योजनाओं ने भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काशी का सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक पुनर्जागरण हुआ है। श्री काशी विश्वनाथ धाम परियोजना, नमामि गंगे अभियान, पंचकोशी परिक्रमा मार्ग के विकास और घाटों के सौंदर्यीकरण ने वाराणसी को वैश्विक पहचान दिलाई है। पंचकोशी मार्ग चौड़ीकरण पर लगभग 97 करोड़ रुपये तथा धार्मिक एवं पर्यटन विकास पर 39.30 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। सुरेश खन्ना ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में वाराणसी में 36,211 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 536 बड़ी परियोजनाएं पूरी कर जनता को समर्पित की गई हैं, जबकि 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। रिंग रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग और सेतु निर्माण की 127 परियोजनाएं 22,829 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई हैं। इसके अलावा सड़क और पुल निर्माण की 5,813 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 877 करोड़ रुपये से अधिक की 34 परियोजनाएं पूरी की गई हैं।

काशी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, 720 स्थानों पर सर्विलांस कैमरे, सिगरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और मल्टीलेवल पार्किंग जैसी सुविधाओं ने शहर को आधुनिक स्वरूप दिया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कैंसर इंस्टीट्यूट, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और महिला चिकित्सालयों के विस्तार सहित 1,870 करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी हुई हैं।

प्रभारी मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला और जनधन जैसी योजनाओं से लाखों लोगों को लाभ मिला है। स्वयं सहायता समूहों की 59 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य लेकर सरकार कार्य कर रही है। आज वाराणसी विरासत और विकास के संतुलन का राष्ट्रीय मॉडल बन चुकी है तथा नए भारत की विकास यात्रा को दिशा और प्रेरणा दे रही है।

यूपी में भी बिहार-बंगाल जैसी 'बेईमानी' हुई तो भविष्य में चुनाव नहीं होंगे: अखिलेश यादव

लखनऊ, 13 जून। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बिहार व पश्चिम बंगाल के चुनावों में "बेईमानी" का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को दावा किया कि यदि ऐसी ही स्थिति उत्तर प्रदेश में भी हुई तो भविष्य में चुनाव होना मुश्किल हो जाएगा। कासगंज के सोरों गेट स्थित उर्मिला गार्डन के उद्घाटन के बाद आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए यादव ने कहा, "बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में जो बेईमानी हुई है, अगर वही लूट और बेईमानी उत्तर प्रदेश में भी हो गई तो उसके बाद भविष्य में कभी चुनाव नहीं होंगे।"

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं के आरक्षण के मुद्दे पर भी राजनीति कर रही है और लोकसभा की संरचना अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप करना चाहती है। यादव ने कहा, "वे ऐसी लोकसभा चाहते हैं, जिसमें विपक्ष के नेता जीतकर न आ सकें।" सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर वोट काटने की तैयारी की थी, लेकिन अब विपक्ष पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच करने का आह्वान किया।

पीओके में पाक सरकार के खिलाफ बगावत: पुलिस हिंसा में 46 प्रदर्शनकारियों की मौत व 1000 गिरफ्तार

पेशावर, 13 जून। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आरक्षित विधानसभा सीटों को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बड़े जनआंदोलन में बदल चुका है। पिछले चार दिनों से जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच 46 प्रदर्शनकारियों की मौत और 1,000 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी के दावे सामने आए हैं। हालांकि इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। क्षेत्र में हालात इतने तनावपूर्ण हो गए हैं कि सामान्य जनजीवन लगभग ठप पड़ गया है। दवाओं और आवश्यक खाद्य सामग्री की कमी की खबरें मिल रही हैं, जबकि मुजफ्फराबाद और मीरपुर समेत कई प्रमुख शहरों में बाजार, स्कूल, कॉलेज और सरकारी कार्यालय बंद पड़े हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी हैं। इसके चलते PoK का बड़ा हिस्सा बाहरी दुनिया से लगभग कट गया है। संचार व्यवस्था प्रभावित होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वर्तमान आंदोलन की जड़ PoK विधानसभा की 12 आरक्षित सीटें हैं। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए निर्धारित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे।

DAKS REHAB CENTRE

(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES

Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director

ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET

10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)

- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch: 101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch: Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW: 7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE

2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

कला संसार में प्रेम, प्रकृति और आत्मा का विलक्षण संगम

-ललित गर्ग

कला केवल रंगों, रेखाओं और आकृतियों का संयोजन नहीं होती, वह जीवन की अनुभूतियों, संबंधों और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति भी होती है। जब दो कलाकार अपने-अपने स्वतंत्र व्यक्तित्व, दृष्टि और शैली के साथ जीवन की यात्रा में सहयात्री बनते हैं, तब उनकी रचनात्मकता एक नए आयाम को जन्म देती है। डॉ. अनूप कुमार चांद और शुभ्रा चांद की पच्चीस वर्षीय वैवाहिक यात्रा और उनकी समानांतर कला-यात्रा इसी अद्भुत एवं विलक्षण संगम का साक्ष्य है। यह केवल विवाह की रजत जयंती नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समर्पण और सृजनशीलता के पच्चीस वर्षों का उत्सव है। निश्चित ही कुछ यात्राएँ समय की गणना से नहीं, संवेदनाओं की गहराई से मापी जाती हैं। कुछ संबंध केवल सामाजिक बंधन नहीं होते, वे दो चेतनाओं का ऐसा संगम होते हैं, जहाँ जीवन और सृजन एक-दूसरे के पर्याय बन जाते हैं। अनूप और शुभ्रा की पच्चीस वर्षीय वैवाहिक यात्रा तथा उनकी कला-साधना ऐसी ही एक दुर्लभ यात्रा है, जिसमें प्रेम केवल भावना नहीं रहा, बल्कि सृजन का मूल बीज बना और कला केवल अभिव्यक्ति नहीं रही, बल्कि आत्मानुभूति का माध्यम बन गई। दिल्ली के इंडिया इन्टरनेशनल सेंटर में तरूण आर्ट गेलैरी के द्वारा 4-7 जून, 2026 तक आयोजित इस संयुक्त प्रदर्शनी में इन कलाकार द्वय की दो शैलियों का आनन्द कलाप्रेमियों ने बढ़-चढ़कर लिया। नई दिल्ली में आयोजित यह ह्यसृजन के 25 वर्षह्व प्रदर्शनी केवल चित्रों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि दो रचनात्मक आत्माओं के जीवन-दर्शन का सार्वजनिक उत्सव है। यह प्रदर्शनी बताती है कि कला और जीवन जब एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं, तब सृजन का स्वरूप कितना व्यापक और प्रभावशाली हो सकता है। यह आयोजन इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि महान कला केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, पारस्परिक सम्मान और साझा स्वप्नों से जन्म लेती है।

आज जब संसार का बड़ा हिस्सा उपभोग, प्रदर्शन और तात्कालिक उपलब्धियों की संस्कृति में उलझा हुआ है, तब अनूप और शुभ्रा की कलायात्रा हमें उस भारतीय कला-दृष्टि की याद दिलाती है, जिसमें कला का उद्देश्य केवल सौंदर्य का निर्माण नहीं, बल्कि सत्य, शिव और सुंदर की अनुभूति कराना है। भारतीय चिंतन में कला को साधना कहा गया है। साधना का अर्थ है-अपने भीतर उतरना, स्वयं को तराशना और अंततः उस चेतना का स्पर्श करना जो समस्त सृष्टि में व्याप्त है। यही तत्व इन दोनों कलाकारों की रचनात्मक सृजन में दिखाई देता है। अनूप की कला प्रकृति से संवाद करती है। उनके चित्रों में समुद्र की लहरें, वन्य जीवन, ग्रामीण जीवन, लोक-संस्कृति और मानवीय संवेदनाएँ केवल दृश्य नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के भीतर धड़कती हुई चेतना की अभिव्यक्ति हैं। वे प्रकृति को वस्तु नहीं मानते, बल्कि एक जीवित सत्ता के रूप में देखते हैं। उनकी कला मानो यह संदेश देती है कि मनुष्य और प्रकृति दो अलग इकाइयाँ नहीं हैं; दोनों एक ही अस्तित्व की परस्पर जुड़ी हुई कड़ियाँ हैं। उनके रंगों में पर्यावरणीय चिंता है, उनकी रेखाओं में करुणा है और उनकी आकृतियों में जीवन के प्रति गहरा सम्मान है। अनूप की कला प्रकृति, लोकजीवन और सामाजिक सरोकारों से संवाद करती है। वे प्रकृति के माध्यम से मनुष्य के अंतर्मन को पढ़ते हैं, गढ़ते हैं।

दूसरी ओर शुभ्रा की कला हमें दृश्य जगत से अदृश्य जगत की ओर ले जाती है। उनके कैनवास पर रंग केवल रंग नहीं रहते, वे ध्यान की मुद्रा बन जाते हैं। वृत्त, सर्पिल और ऊर्जा के विविध रूपों के माध्यम से वे उस ब्रह्मांडीय लय को अभिव्यक्त करती हैं, जो सृष्टि के प्रत्येक कण में स्पंदित हो रही है। उनकी कला में अध्यात्म किसी धार्मिक प्रतीक या कर्मकाण्ड के रूप में नहीं आता, बल्कि चेतना के विस्तार के रूप में प्रकट होता है। उनके चित्रों को देखते हुए ऐसा अनुभव होता है मानो रंग ध्यान कर रहे हों और आकृतियाँ मौन में कोई गूढ़ संवाद कर रही हों। उनका कला संसार अमूर्तन, आध्यात्मिकता और ब्रह्मांडीय ऊर्जा से निर्मित है। उनके कैनवास पर वृत्त, सर्पिल और रंगों की लय केवल दृश्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि चेतना की गहन यात्राएँ हैं। वे दर्शक को बाहरी दुनिया से भीतर की यात्रा की ओर ले जाती हैं। एक कलाकार प्रकृति का कवि है, तो दूसरी आत्मा की चित्रकार। एक धरती की धड़कनों को सुनता है, दूसरी ब्रह्मांड की निस्तब्धता को रंगों में व्यक्त करती है। किंतु आश्चर्य यह है कि दोनों की दिशाएँ अलग होते हुए भी उनका लक्ष्य एक ही है-मानव संवेदना का विस्तार। वास्तव में अनूप और शुभ्रा की कला भारतीय दर्शन के दो महत्वपूर्ण आयामों का प्रतिनिधित्व करती है। अनूप की कला प्रकृति के माध्यम से आत्मा तक पहुँचती है, जबकि शुभ्रा की कला आत्मा के माध्यम से ब्रह्मांड तक। एक बाहर से भीतर की यात्रा है, दूसरी भीतर से बाहर की। किंतु दोनों का गंतव्य एक ही है-चेतना का विस्तार और जीवन की गहनतर समझ। उनके वैवाहिक जीवन के पच्चीस वर्ष भी इसी कला-दर्शन का विस्तार हैं। यह केवल साथ रहने की कहानी नहीं है, बल्कि साथ विकसित होने की कहानी है। सामान्यतः दाम्पत्य में एक व्यक्ति दूसरे पर प्रभावी हो जाता है, किंतु यहाँ दोनों ने एक-दूसरे की स्वतंत्रता को संरक्षित रखा। उन्होंने प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को चुना; वर्चस्व नहीं, संवाद को महत्व दिया। यही कारण है कि दोनों की कला स्वतंत्र पहचान रखती है, फिर भी उनके जीवन में अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

अनूप एवं शुभ्रा की वैवाहिक एवं कला यात्रा यह भी सिखाती है कि प्रेम का सर्वोच्च स्वरूप स्वामित्व नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व है। जहाँ एक-दूसरे को बदलने की कोशिश नहीं होती, बल्कि एक-दूसरे के भीतर छिपी संभावनाओं को विकसित होने का अवसर दिया जाता है। यही प्रेम जब कला से जुड़ता है तो वह रचना बन जाता है, और जब जीवन से जुड़ता है तो वह संस्कृति का रूप ले लेता है। हर सफल कलाकृति के पीछे एक गहरी अनुभूति होती है और हर सफल दाम्पत्य के पीछे विश्वास एवं सहयोग का आधार। अनूप और शुभ्रा की कहानी भी इसी सत्य को प्रमाणित करती है। शोध और अध्ययन के दिनों में प्रारम्भ हुई उनकी निकटता केवल भावनात्मक आकर्षण नहीं थी, बल्कि विचारों, संवेदनाओं और कला-दृष्टि का मिलन भी थी। यह संबंध समय के साथ इतना परिपक्व हुआ कि दोनों ने एक-दूसरे के भीतर छिपे कलाकार को विकसित होने की पूरी स्वतंत्रता और ऊर्जा प्रदान की। उनका दाम्पत्य इस बात का उदाहरण है कि विवाह केवल सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि दो आत्माओं की साझा साधना भी हो सकता है। जहाँ सामान्यतः वैवाहिक जीवन में व्यक्तित्वों का संघर्ष दिखाई देता है, वहीं इन दोनों कलाकारों ने व्यक्तित्वों का समन्वय रचा। यही कारण है कि उनका संबंध आज भी उतना ही जीवंत और रचनात्मक दिखाई देता है जितना पच्चीस वर्ष पूर्व था। सृजन के 25 वर्ष केवल एक प्रदर्शनी नहीं है और न ही केवल वैवाहिक रजत जयंती का उत्सव। यह उस विश्वास का उत्सव है कि कला मनुष्य को अधिक मानवीय बना सकती है। यह उस चेतना का उत्सव है जो प्रेम को सृजन में और सृजन को साधना में रूपांतरित कर देती है। यह उस आध्यात्मिक दृष्टि का उत्सव है जिसमें जीवन और कला अलग-अलग नहीं रहते, बल्कि एक-दूसरे में विलीन होकर एक नई अनुभूति का जन्म करते हैं। आज जब हम उनकी पच्चीस वर्षीय यात्रा को देखते हैं, तब स्पष्ट अनुभव होता है कि उन्होंने केवल चित्र नहीं बनाए, बल्कि संवेदनाओं के पुल बनाए हैं; केवल रंग नहीं बिखेरे, बल्कि चेतना के दीप जलाए हैं। उनकी कला हमें बाहर की दुनिया देखने के साथ-साथ अपने भीतर झांकने का निमंत्रण देती है। यह किसी भी महान्‌ कला की पहचान है और यही इन कलाकार द्वय की सबसे बड़ी उपलब्धि है। अनूप और शुभ्रा की कहानी भी इसी सत्य को प्रमाणित करती है।

अनूप एवं शुभ्रा की यह रचनात्मक सहयात्रा हमें बताती है कि जब प्रेम में साधना जुड़ जाती है और साधना में कला, तब जीवन स्वयं एक उत्कृष्ट कलाकृति बन जाता है। पच्चीस वर्षों का यह उत्सव उसी जीवंत कलाकृति का उत्सव है- जहां रंगों में अध्यात्म हैं, संबंधों में सृजन है और सृजन में जीवन की अनंत संभावनाओं का आलोक है। पच्चीस वर्षों का यह पड़ाव किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि एक नए अध्याय का आरम्भ है। अनूप और शुभ्रा ने अपने जीवन और कला के माध्यम से यह सिद्ध किया है कि प्रेम जब सृजन से जुड़ता है तो वह केवल दो व्यक्तियों को नहीं, बल्कि पूरे समाज को समृद्ध करता है। उनकी यह रजत यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है कि दाम्पत्य केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि साथ बढ़ने, साथ रचने और साथ सपने देखने की कला भी है। कला और जीवन के इस अद्वितीय संगम में प्रेम रंग है, विश्वास रेखा है और सृजन वह कैनवास है जिस पर उन्होंने पच्चीस वर्षों से एक अमिट, सुंदर और प्रेरक इबारत लिखी है।

क्या अयोध्या का चंदा चोरी का बहाना बनाकर अखिलेश यादव 2027 के युपी चुनाव की राह आसान कर रहे है ?

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले अयोध्या राम मंदिर को लेकर सियासी बहस छिड़ गई हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सबसे पहले हिन्दुत्व की पिच पर उतर कर राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी होने का दावा किया, जिससे प्रदेश में सियासी भूचाल आ गया है। भारतीय जनता पार्टी इन आरोपों से इनकार कर रही है वहीं विपक्ष एकजुट होता दिख रहा है। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर उठ रहे सवालों के बाद प्रदेश की सियासत इसे लेकर गर्म हो गई है। आरोप हैं कि राम मंदिर के दानपात्र से करीब साढ़े सात करोड़ रुपये का चढ़ावा चोरी हो गया। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने खुलकर इस पर बीजेपी को घेरना शुरू कर दिया हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि 2027 में अयोध्या का मुद्दा और गर्मा सकता है।

राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उस वक्त सवाल और बढ़ गए जब श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने ये कह दिया कि कि जब जांच करने वाले खुद बेईमान तो क्या जांच होगी? वहीं पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण श ?ण सिंह ने तो जो कहा उससे बीजेपी की बैचेनी और बढ़ गई।

बृजभूषण ने राम मंदिर के चढ़ावे पर जवाब देते हुए कहा कि मैंने सच गया तो परेशानी में आ जाऊंगा। वो बड़े लोग हैं, समय आने पर सच बताऊंगा। जिसके बाद विपक्षी दल ने उन बड़े लोगों का नाम पूछना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि आखिर वो बड़े लोग कौन है और वो समय कब आएगा जब बृजभूषण बोलेंगे? जो किसी से नहीं डरते वो किन बड़े लोगों से डर रहे हैं।

सपा आरोप लगा रही है कि मंदिर में बड़ी चोरी हुई है। बड़े लोगों के संरक्षण में हुई हैं। इसलिए इसकी जांच होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहते है कि चढ़ावे में चोरी होगी तो शिकायत तो होगी। अगर दूरबीन और सीसीटीवी काम कर रहे होते तो डबल इंजन की सरकार में ऐसा नहीं होता। कांग्रेस भी समाजवादी पार्टी के साथ सुर में सुर मिला रही है। कांग्रस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहत्ते है कि आप चढ़ावे की चोरी सोच सकते हैं आप किस नरक में जाएंगे?

इस मुद्दे पर अभी तक बीजेपी बैकफुट पर दिखाई दे रही है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने इस सवाल पर झल्लाते हुए कहते है कि कौन कह रहा है गायब हो गए।? ये सरकार विषय नहीं है। हम किस-किस की बातों का जवाब देते रहेंगे। अयोध्या हमेशा से ही बीजेपी का अहम मुद्दा रही है। ऐसे में इस तरह की आरोप लगने से भाजपा की परेशानियां बढ़ सकती हैं।

इस पूरे विवाद में राम मंदिर से जुड़े वरिष्ठ संतों के बयानों ने मामले को और भी अधिक उलझा दिया है। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने एक बहुत ही बड़ा बयान दिया है। उन्होंने जांच व्यवस्था पर ही गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि जब जांच करने वाले ही खुद बेईमान हैं तो क्या निष्पक्ष जांच होगी। ट्रस्ट से जुड़े इतने अहम व्यक्ति के इस सार्वजनिक बयान ने विपक्ष के आरोपों को और भी ज्यादा धार दे दी है। इस चौंकाने वाली टिप्पणी के बाद राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उठने वाले सवालों की संख्या अचानक बहुत अधिक बढ़ गई है।

गौरतलब है कि राम मंदिर विवाद और आंदोलन के दौरान, सपा का रुख हमेशा से बहस का रहा है। 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर हुई पुलिस कार्रवाई और गोलीकांड का जिक्र आज भी राजनीतिक चचाओं में होता है। इसके अलावा, राम मंदिर मामले में आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले और प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भी सपा का रुख सवालों के घेरे में रहा। ऐसे में राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आज जब राम मंदिर को लेकर नए आरोप लगाए जा रहे हैं, तो लोग पार्टी के पुराने रुख को भी याद कर रहे हैं।

हाल के दिनों में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयानों को लेकर भी राजनीति तेज हुई है। विपक्षी दलों और भाजपा समर्थकों का आरोप है कि कुछ धार्मिक हस्तियों के बयानों का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी तरह गोसंरक्षण का मुद्दा भी चर्चा में है। आलोचकों का कहना है कि आज गोसंरक्षण की बात करने वाले नेताओं के शासनकाल में अवैध बूचड़खानों और गोवंश तस्करी जैसे मुद्दों पर पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई थी। ऐसे आरोपों के कारण राजनीतिक विरोधी सपा की नीतियों और वर्तमान बयानों के बीच विरोधाभास होने की बात कहते हैं।

बता दें समाजवादी पार्टी पर लंबे समय से मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने के आरोप लगते रहे हैं। विरोधियों का दावा है कि सपा सरकारों के दौरान कई फैसले विशेष समुदाय को ध्यान में रखकर लिए गए, जबकि पार्टी हमेशा इन आरोपों को खारिज करती रही है। मुजफ्फरनगर दंगों से लेकर आतंकवाद के आरोपियों पर मुकदमे वापस लेने जैसे पुराने मुद्दे भी समय-समय पर राजनीतिक बहस का हिस्सा बनते रहते हैं। इसी कारण जब राम मंदिर, सनातन या धार्मिक मामलों पर सपा की ओर से कोई बयान आता है तो उसके राजनीतिक अर्थ भी निकाले जाने लगते हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं। ऐसे में राम मंदिर, सनातन, गोसंरक्षण और धार्मिक आस्था से जुड़े मुद्दे भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि अखिलेश यादव एक ऐसा संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें धार्मिक मुद्दों पर पूरी तरह विरोध या समर्थन की जगह मध्यम रास्ता अपनाया जाए। हालांकि, यह रणनीति कितनी सफल होगी, इसका फैसला जनता करेगी। फिलहाल इतना जरूर है कि राम मंदिर से लेकर सनातन और हिंदू वोट बैंक तक, ये सभी मुद्दे आने वाले चुनावी माहौल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं।

इस बीच शिवसेना उद्धव गुट ने भी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया है। पार्टी नेता संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे जल्द अयोध्या जाएंगे क्योंकि वह इस पूरे मामले से बेहद व्यथित हैं। राउत ने कहा कि भगवान राम जैसे बुला रहे हैं और अब अयोध्या जाकर इस मुद्दे को उठाना जरूरी हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर राम मंदिर जैसे पवित्र स्थल के चंदे पर सवाल कैसे खड़े हो सकते हैं।संजय राउत ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने मंदिर निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये का योगदान दिया था और अब ट्रस्ट को जवाब देना चाहिए। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज और नृपेंद्र मिश्र की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। राउत ने पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि यदि वह कह रहे हैं कि उन्हें पूरी जानकारी है लेकिन ताकतवर लोगों के कारण बोल नहीं पा रहे, तो मामला बेहद गंभीर है।

हम आपको बता दें कि महिपाल सिंह नाम के एक व्यक्ति, जो खुद को मंदिर का पूर्व लेखा प्रभारी बताते हैं, उन्होंने दावा किया है कि लंबे समय से चंदे में अनियमितताएं हो रही थीं। उन्होंने कुछ प्रभावशाली लोगों के नाम लेने के साथ यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने के बाद उन्हें हटा दिया गया।

बहरहाल, राजनीतिक आरोपों और सफाइयों के बीच यह मामला अब केवल चुनावी बयानबाजी तक सीमित नहीं दिखाई दे रहा। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी घटनाक्रम की रिपोर्ट मांगी है और माना जा रहा है कि मंदिर प्रबंधन और व्यवस्थाओं की समीक्षा हो सकती है। ऐसे समय में जब भाजपा एक बार फिर राम मंदिर के भावनात्मक मुद्दे को चुनावी आधार बनाने की तैयारी में है, तब चंदे को लेकर उठे सवाल उसके लिए राजनीतिक रूप से असहज स्थिति पैदा कर सकते हैं। क्योंकि जिस राम मंदिर को भाजपा ने अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनाया, अब उसी मंदिर के चंदे को लेकर उठ रहा विवाद विपक्ष को नया हथियार देता दिखाई दे रहा है।

एआई : स्मार्ट हो रही मशीनों के बीच सिकुड़ती धरती

-सुरेश गांधी

-सुरेश गांधी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चकाचौंध के पीछे छिपा है पानी, बिजली और पर्यावरण पर बढ़ता दबाव. सवाल यह है कि तकनीक और प्रकृति के बीच संतुलन कैसे बनेगा? बेशक, कभी मानव ने पहिए का आविष्कार किया, फिर भाप के इंजन ने औद्योगिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया। कंप्यूटर और इंटरनेट ने दुनिया को एक क्लिक की दूरी पर ला खड़ा किया। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को मानव सभ्यता की अगली सबसे बड़ी छलांग माना जा रहा है। यह तकनीक हमारी भाषा समझती है, चित्र बनाती है, बीमारियों का निदान करती है और जटिल समस्याओं के समाधान भी सुझाती है। लेकिन हर क्रांति अपने साथ कुछ अनकहे प्रश्न भी लेकर आती है। आज एआई के बढ़ते विस्तार के बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम तकनीकी प्रगति की कीमत प्रकृति से वसूल रहे हैं? दुनिया इस समय एआई की अभूतपूर्व दौड़ में शामिल है। कंपनियां नए-नए मॉडल विकसित कर रही हैं, सरकारें इसे विकास का नया इंजन मान रही हैं और आम लोग इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। किंतु इस चमकदार दुनिया के पीछे ऐसे विशाल डेटा सेंटर खड़े हैं, जो चौबीसों घंटे बिजली और पानी की अथाह खपत कर रहे हैं। यह खपत इतनी बड़ी है कि आने वाले वर्षों में एआई उद्योग अकेले कई देशों की कुल ऊर्जा आवश्यकता के बराबर संसाधन इस्तेमाल कर सकता है।

बिजली की खपत का अनुमान ही चौंकाने वाला है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2030 तक दुनिया के डेटा सेंटर लगभग उतनी बिजली खपत कर सकते हैं, जितनी आज जापान जैसा विकसित देश पूरे वर्ष में करता है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि भविष्य की उस तस्वीर का संकेत है जिसमें ऊर्जा का एक बड़ा हिस्सा मशीनों की बुद्धिमत्ता बनाए रखने में खर्च होगा। ऐसे समय में जब दुनिया कार्बन उत्सर्जन कम करने और स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही है, एआई की बढ़ती ऊर्जा मांग नई चुनौती बनकर उभर रही है। लेकिन बिजली से भी अधिक गंभीर चिंता पानी को लेकर है। एआई मॉडल चलाने वाले सर्वर अत्यधिक गर्म होते हैं और उन्हें ठंडा रखने के लिए विशाल मात्रा में पानी की आवश्यकता पड़ती है। दुनिया के अनेक हिस्सों में जहां लोग पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं डेटा सेंटर लाखों-करोड़ों लीटर पानी केवल मशीनों के तापमान को नियंत्रित करने में खर्च कर रहे हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर मानवता जल संरक्षण के नारे लगा रही है और दूसरी ओर तकनीकी विकास की दौड़ पानी की मांग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रही है।

यही कारण है कि अब एआई का विरोध केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहा। अमेरिका और यूरोप के कई क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय डेटा सेंटरों के विस्तार के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं। उनकी चिंता यह है कि उद्योगों और तकनीकी कंपनियों की बढ़ती मांग स्थानीय संसाधनों पर दबाव बढ़ा रही है। लोगों को डर है कि विकास का लाभ कुछ कंपनियों तक सीमित रहेगा, जबकि उसकी पर्यावरणीय कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ेगी। यह भी ध्यान देने योग्य है कि एआई की ऊर्जा खपत केवल उसके निर्माण तक सीमित नहीं है। आम धारणा है कि ऊर्जा सबसे अधिक एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने में लगती है, जबकि वास्तविकता यह है कि उसकी सबसे बड़ी खपत रोजमर्रा के उपयोग में होती है। हर बार जब कोई व्यक्ति एआई से सवाल पूछता है, चित्र बनवाता है या वीडियो तैयार करता है, तब दुनिया के किसी न किसी डेटा सेंटर में हजारों सर्वर सक्रिय हो जाते हैं। यानी एआई का बढ़ता उपयोग सीधे-सीधे संसाधनों की बढ़ती मांग से जुड़ा हुआ है।

निस्संदेह, एआई मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक, उत्पादक और ज्ञानसमृद्ध बना सकता है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि और शासन जैसे क्षेत्रों में इसकी संभावनाएं असाधारण हैं। लेकिन किसी भी तकनीक की सफलता केवल उसकी क्षमता से नहीं, बल्कि उसके स्थायित्व से भी मापी जाती है। यदि विकास का यह मॉडल जल, ऊर्जा और पर्यावरण पर असहनीय दबाव डालता है, तो इसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ सकती है। इसलिए आवश्यकता एआई के विरोध की नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग की है। तकनीकी कंपनियों को हरित ऊर्जा, जल पुनर्चक्रण और ऊर्जा-कुशल प्रणालियों में अधिक निवेश करना होगा। सरकारों को भी ऐसे मानक विकसित करने होंगे, जो नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। आखिरकार, सभ्यता की असली पहचान केवल नई मशीनें बनाने में नहीं, बल्कि प्रकृति और प्रगति के बीच सामंजस्य स्थापित करने में है। यदि एआई मानव बुद्धिमत्ता की सर्वोच्च उपलब्धि है, तो यह सुनिश्चित करना भी हमारी ही जिम्मेदारी है कि उसकी बढ़ती शक्ति धरती की जीवनदायिनी शक्तियों को कमजोर न कर दे। भविष्य का प्रश्न यही है–क्या मशीनों की बुद्धिमत्ता और प्रकृति की संवेदनशीलता साथ-साथ चल पाएंगी, या विकास की यह दौड़ हमें किसी नए संकट के मुहाने पर ले जाएगी?

कभी आग, पानी और हवा को प्रकृति की सबसे बड़ी शक्तियां माना जाता था। आज उसी सूची में एक नई शक्ति जुड़ गई है–कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)। यह शक्ति न दिखाई देती है, न सुनाई देती है, लेकिन दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन को तेजी से बदल रही है। एआई को लेकर उत्साह इतना अधिक है कि देशों और कंपनियों के बीच इसे हासिल करने की होड़ मची हुई है। लेकिन हर चमकती हुई उपलब्धि अपने पीछे कुछ अनदेखी परछाइयां भी छोड़ जाती है। एआई की सफलता के पीछे काम करने वाले विशाल डेटा सेंटर आधुनिक युग के नए कारखाने हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इनकी चिमनियों से धुआं नहीं निकलता, लेकिन ये उतनी ही तेजी से बिजली, पानी और प्राकृतिक संसाधनों की खपत करते हैं। जिस तकनीक को मानव जीवन को सरल बनाने का माध्यम माना जा रहा है, वही अब पर्यावरण पर बढ़ते दबाव की वजह भी बनती दिखाई दे रही है। सवाल यह नहीं है कि एआई कितना शक्तिशाली होगा, बल्कि यह है कि उसकी शक्ति को बनाए रखने की कीमत कौन चुकाएगा–तकनीकी कंपनियां, आम नागरिक या फिर स्वयं प्रकृति? यही प्रश्न आज पूरी दुनिया के सामने एक नई बहस के रूप में खड़ा है. मतलब साफ है औद्योगिक क्रांति ने कोयला खाया, डिजिटल क्रांति ने डेटा खाया और एआई क्रांति पानी व बिजली की नई भूख लेकर आई है। ऐसे में बड़ा सवाल तकनीक के विकास का नहीं, बल्कि उस संतुलन का है जहां इंसान, मशीन और प्रकृति तीनों का भविष्य सुरक्षित रह सके

एआई की बढ़ती भूख

- 2030 तक दुनिया के डेटा सेंटरों की बिजली खपत 945 टेरावॉट-आवर तक पहुंच सकती है।
- यह जापान जैसे विकसित देश की वार्षिक बिजली खपत के लगभग बराबर है।
- वैश्विक बिजली खपत में डेटा सेंटरों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान।
- एआई की कुल ऊर्जा खपत का लगभग 80-90 प्रतिशत हिस्सा रोजमर्रा के उपयोग (इंफेरेंस) में खर्च होता है।
- हर एआई प्रश्न, फोटो या वीडियो जनरेशन के पीछे हजारों सर्वर सक्रिय होते हैं।

पानी की प्यास बनता एआई

- 2030 तक डेटा सेंटरों द्वारा 9.3 ट्रिलियन लीटर पानी की खपत का अनुमान।
- यह करीब 1.3 अरब लोगों की वार्षिक जल आवश्यकता के बराबर माना जा रहा है।
- सर्वर और चिप्स के तापमान को नियंत्रित करने के लिए बड़े पैमाने पर पानी का उपयोग होता है।
- जल संकट वाले क्षेत्रों में नए डेटा सेंटरों का विरोध बढ़ने लगा है।
- विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले वर्षों में पानी, एआई उद्योग की सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है।

विरोध क्यों बढ़ रहा है?

- अमेरिका के कई राज्यों में स्थानीय समुदायों ने डेटा सेंटर परियोजनाओं का विरोध किया।
- पानी और बिजली पर बढ़ते दबाव को लेकर नागरिक संगठनों ने चिंता जताई।
- बीते वर्षों में लगभग 200 अरब डॉलर की डेटा सेंटर परियोजनाएं विरोध या मंजूरी में देरी का शिकार हुईं।
- लोगों का तर्क है कि स्थानीय संसाधनों का उपयोग तो हो रहा है, लेकिन लाभ सीमित वर्ग तक पहुंच रहा है।
- पर्यावरणीय प्रभाव अब अक विकास के खिलाफ प्रमुख जन-आंदोलन का कारण बन रहा

व्यूज की अंधी दौड़ में लहूलुहान होती सामाजिक मयार्दा

गुरुग्राम के एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में 370 की बिरयानी की कीमत एक महिला की अस्मिता से लगाने वाले दर्शक का वीडियो और उस पर ताली पीटते कॉमेडियन प्रणीत मोरे का ठहाका सिर्फ एक तात्कालिक विवाद नहीं, बल्कि भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी के उस गहरे नैतिक और वैचारिक पतन का दस्तावेज है, जो पिछले एक दशक से धीरे-धीरे हमारे समाज में पैठ बना रहा था। यह घटना साफ तौर पर रेखांकित करती है कि व्यूज, लाइक्स और वायरल क्लिप्स की अंधी दौड़ में हास्य और अश्लीलता के बीच का अंतर पूरी तरह समाप्त हो चुका है। जहाँ दर्शक हिमांशु जांगड़ा की नौकरी चली गई, वहीं प्रणीत मोरे को अपना सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर माफी मांगनी पड़ी। वहीं, दिवंगत अभिनेता इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर से लेकर अभिनेत्री रश्मि देसाई तक ने इस खोखली माफी को सिरे से खारिज कर दिया। विवाद केवल यहीं नहीं थमा, इसी शो की एक अन्य क्लिप में एक महिला मेडिकल छात्रा ने मेडिकल कॉलेज में 'डेड बॉडी' के प्राइवेट पार्ट्स पर मजाक बनाने की बात गर्व से कबूल की, जिसने चिकित्सा जगत की नैतिकता और देहदान करने वाले परिवारों की भावनाओं को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया। यह अराजकता किसी एक मंच की नहीं, बल्कि उस 'क्राउडवर्क' फॉर्मेट की देन है, जहाँ बिना स्क्रिप्ट, बिना सेंसर और बिना संपादन के केवल तात्कालिक भीड़ को हंसाने के लिए किसी भी हद तक जाने की खुली छूट ले ली गई है। भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी का इतिहास पिछले एक दशक में जितनी तेजी से व्यावसायिक रूप से समृद्ध हुआ है, वैचारिक और सामाजिक रूप से वह उतना ही सतही और खोखला होता गया है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का पूरा एल्गोरिदम रचनात्मकता से ज्यादा 'शॉक वैल्यू' और विवाद को बढ़ावा देता है। जब कलाकार को पता होता है कि जितना तीखा, अभद्र या विवादास्पद कंटेंट होगा, रील्स और शॉर्ट्स पर उतने ही मिलियन व्यूज मिलेंगे, तो वह सामाजिक मयार्दाओं को ताक पर रख देता है। अभिनेत्री

-अजय कुमार

रश्मि देसाई और आयशा खान का यह सवाल बेहद मौजूं है कि जब एक महिला की गरिमा को मंच पर तार-तार किया जा रहा था, तब उस हॉल में बैठे सैकड़ों लोगों में से एक भी व्यक्ति ऐसा क्यों नहीं था, जो उठकर इसका विरोध करता? सामूहिक हँसी अक्सर व्यक्तिगत विवेक को सुला देती है और यही इस डिजिटल इकॉनॉमी का सबसे खतरनाक पहलू है। जब हास्य का पैमाना केवल भीड़ का ठहाका बन जाए, तो वह कला नहीं, बल्कि एक अनियंत्रित तमाशा बन जाती है।

यदि हम पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों और इतिहास पर नजर डालें, तो स्टैंडअप कॉमेडी का यह भटकाव हर दिशा में फैला है, चाहे वह धर्म हो, देश की सुरक्षा एजेंसियां हों, सेना हो या फिर लोक संस्कृति। साल 2021 में मुनव्वर फारुकी को इंदौर में हिंदू देवी-देवताओं और गृह मंत्री पर कथित अभद्र टिप्पणी के आरोप में करीब एक महीना जेल में बिताना पड़ा था। इसके बाद 2023 में भारतीय मूल की अमेरिकी कॉमेडियन जरना गर्ग का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने '19,000 हिंदू देवी-देवताओं' का मजाक उड़ाया, जिसके खिलाफ देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला और कई राज्यों में एफआईआर की मांग की गई। साल 2024 में पुनः मुनव्वर फारुकी को मुंबई के एक शो में कोंकणी समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के लिए लिखित माफी मांगनी पड़ी। वर्ष 2025 में यह विवाद चरम पर पहुंच गया, जब महाराष्ट्र में महज दो महीनों के दौरान कुणाल कामरा, समय रैना और प्रणीत मोरे पर अलग-अलग मामलों में गंभीर एफआईआर दर्ज हुईं। कुणाल कामरा द्वारा राजनीतिक नेतृत्व पर किए गए कटाक्ष के बाद मुंबई के हैबिटेट क्लब में तोड़फोड़ हुई और बीएमसी की कार्रवाई झेलनी पड़ी। इसी तरह अतीत में तन्मय भट्ट द्वारा भारत रत्न लता मंगेशकर और सचिन तेंदुलकर का मजाक उड़ाने पर भारी कानूनी और सामाजिक विरोध का सामना करना पड़ा था, जबकि आंध्र प्रदेश में कॉमेडियन अनुदीप को अभिनेता व नेता पवन कल्याण पर की गई टिप्पणी के कारण पुलिस हिरासत में जाना पड़ा।

यह पूरा परिदृश्य दिखाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर एकतरफा ढाल तैयार की जा रही है। जब राजनेताओं, पुलिसकर्मियों या सेना के जवानों पर व्यंग्य किया जाता है, तो उसे लोकतांत्रिक अधिकार का नाम दिया जाता है, लेकिन जब इसी स्वतंत्रता का उपयोग किसी मृत देह के अपमान, किसी समुदाय की अस्मिता को ठेस पहुँचाने या महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है, तब इसे किस श्रेणी में रखा जाएगा? देश में हर साल हजारों स्टैंडअप शो होते हैं और इनके वीडियो यूट्यूब व इंस्टाग्राम पर करोड़ों की कमाई करते हैं। इस विशाल बाजार की अपनी एक सामाजिक जिम्मेदारी बनती है। एक जीवंत लोकतंत्र में सत्ता, रूढ़ियों और पाखंड पर तीखा कटाक्ष होना अनिवार्य है और भारत में ऐसे बेहतरीन कलाकार हैं, जो मयार्दा में रहकर यह काम करते हैं। परंतु जब पूरी इंडस्ट्री को एक ही तराजू में तौला जाता है, तो नुकसान उन वास्तविक कलाकारों का होता है, जो कला की समझ रखते हैं। प्रणीत मोरे का यह कहना कि 'वह इंसान हैं और सीख रहे हैं', एक पेशेवर मंच पर अपनी जिम्मेदारी से भागने जैसा है। यदि वीडियो को एडिट कर, उस पर आकर्षक टैग लगाकर जानबूझकर वायरल किया गया, तो कॉमेडियन इस प्रकरण में बराबर का भागीदार है। हास्य का मूल उद्देश्य समाज को आईना दिखाना और तनाव कम करना होता है, न कि किसी की गरिमा को कुचलना। सरकार या अदालतें कानून बनाकर मंच पर सेंसरशिप लागू नहीं कर सकतीं और न ही यह एक स्वस्थ समाज के लिए सही होगा। इसकी अंतिम रेखा उस दर्शक को ही खींचनी होगी, जो टिकट खरीदकर इन शो में बैठता है। जब तक दर्शक अश्लीलता, अभद्रता और संवेदनहीनता पर तालियाँ बजाना बंद नहीं करेंगे, तब तक व्यूज की भूख से तड़पते ये क्रिएटर मयार्दाओं को लांघते रहेंगे। समय आ गया है कि डिजिटल युग की इस 'बर्बर हँसी' के खिलाफ समाज स्वयं अपनी मूक सहमति को तोड़े और यह तय करे कि मनोरंजन के नाम पर किस हद तक नीचे गिरने की इजाजत दी जा सकती है।

वरिष्ठ समाजसेविका सरस्वती सिंह को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड पश्चिम महाजनवाडी स्थित पवानी बैकेंट हॉल में मुलुंड की वरिष्ठ समाजसेविका स्व.सरस्वती जय सिंह की शोक सभा एवं ब्रहम भोज दिवंगत आत्मा की शांति हेतु एवं शोक संतप्त सिंह परिवार को धैर्य प्रदान करने हेतु संपन्न हुई। श्रद्धांजलि सभा में स्व. सरस्वती सिंह के तीनों सुपुत्र अशोक सिंह, राजेश सिंह (राजू भाई),शंकर सिंह , दोनों पौत्रों मोहित सिंह, केतक सिंह एवं परिवार के वरिष्ठ सदस्यों में श्रीराम सिंह, महानंद सिंह, भानू सिंह, डॉ सचिन सिंह,नवीन सिंह,कपिल बाबुलाल सिंह को लोगों ने दुख की इस घड़ी में ढ़ाढस बधाया। श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से महाराष्ट्र कॉग्रेस के प्रवक्ता राकेश शेट्टी, मुंबई कॉग्रेस के महासचिव डॉ.आर.आर.सिंह,जिला अध्यक्ष केतन शाह, आर. पी.आई(अ) के नेता प्रदीप गागुर्डे, डॉ.हरीश सिंह, डॉ.गिरीश सिंह, डॉ दीपक सिंह, शिक्षाविद् डॉ आर. एम.पाल, महेंद्र सिंह, राकेश मिश्रा सहित सैकड़ों गणमान्य उपस्थित हुए।

इनफिनिक्स स्मार्ट 20 की बिक्री 11999 की शुरूआती कीमत पर शुरू

मुंबई (उत्तरशक्ति)। न्यू-एज स्मार्टफोन ब्रांड, इनफिनिक्स अपने हाल ही में लॉन्च किए गए स्मार्ट 20 (SMART 20) की बिक्री 12 जून, 2026 से फ्लिपकार्ट और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर शुरू करने जा रहा है। पतला, स्मूथ और मजबूत के मूल मंत्र पर डिजाइन किया गया यह स्मार्टफोन लॉन्च ऑफर्स के साथ 11,999 की शुरूआती प्रभावी कीमत पर उपलब्ध होगा। स्मार्ट 20 में प्रीमियम 7.7 अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन, 120Hz रिफ्रेश रेट के साथ 6.78-इंच का पंच-होल डिस्प्ले और शानदार व्यूइंग अनुभव के लिए 700 निट्स तक की ब्राइटनेस दी गई है। 48-महीने के फ्लूएंसी सर्टिफिकेशन के साथ मीडियाटेक हीलियो G81 अल्टीमेट प्रोसेसर से लैस, यह डिवाइस 8GB तक एक्सटेंडेड रैम (4GB + 4GB एक्सटेंडेड) और 128GB स्टोरेज के साथ रोजमर्रा के कामों में शानदार परफॉर्मेंस देता है। मजबूती के लिए बनाए गए इस स्मार्टफोन में IP64 डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंस, 25,000+ ड्रॉप टेस्ट और 1.5 मीटर ड्रॉप प्रोटेक्शन मिलता है। इसमें अल्ट्रा लिंक फीचर भी पेश किया गया है, जो 1 किलोमीटर तक ऑफलाइन कॉलिंग और मैसेजिंग की सुविधा देता है। इसके साथ ही, स्पष्ट कॉलिंग के लिए तीन इंटेलिजेंट नॉइज कैंसिलेशन मोड्स के साथ वॉइसप्रिंट नॉइज रिडक्शन भी शामिल है। एंड्रॉयड 16 पर आधारित OS 16 पर चलने वाला स्मार्ट 20, Folax द्वारा संचालित वन-टैप इनफिनिक्स एआई के साथ आता है। इसमें डॉक्यूमेंट स्कैनिंग, सॉन्ग रिकग्निशन, शेड्यूलिंग और वॉइस असिस्टेंट जैसे फीचर्स मिलते हैं। डिवाइस में 15ह चार्जिंग सपोर्ट और 5ह वायर्ड रिवर्स चार्जिंग के साथ 5200mAh की दमदार बैटरी दी गई है। स्मार्ट 20 खरीदने वाले ग्राहक 500 तक के आकर्षक बैंक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं, जिससे यह डिवाइस और भी किफायती हो जाता है। शैडो ब्लैक, पोलारिस टाइटेनियम, सनलाइक ऑरेंज और क्लाउडलाइन ब्लू कलर ऑप्शन्स में उपलब्ध यह स्मार्टफोन फ्लिपकार्ट और रिटेल स्टोर्स दोनों पर मिलेगा।

सैमसंग ने फुटबॉल प्रशंसकों के लिए नया कैम्पेन शुरू किया

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने आज फुटबॉल प्रेमियों के लिए अपने विजन एआई बिग टीवी पर विशेष ऑफर्स की घोषणा की है। 'बिग गेम, बिगर स्क्रीन, बिगेस्ट मोमेंट्स' नामक इस कैम्पेन के तहत कंपनी ग्राहकों को घर बैठे टीवी पर मैच देखने का रोमांचक अनुभव देती है, जो उन्हें स्टेडियम जैसा रोमांच महसूस कराता है। सैमसंग की 2026 विजन एआई टीवी सीरीज में मौजूद एआई सॉकर मोड फुटबॉल मैच के हर पल को और रोमांचक बना देता है। यह रिकॉर्ड-टाइम में दृश्यों का विश्लेषण कर गेंद की तेज रफ्तार को अधिक स्पष्टता से दिखाता है, रंगों को और निखारता है और ऐसा साउंड अनुभव देता है, जिससे आप स्टेडियम में बैठकर मैच का आनंद ले रहे हों। विजन एआई कंपैनियन (वीएसी) सैमसंग टीवी में एआई प्लेटफॉर्म्स जैसे बिक्सबी, परप्लेक्सिटी और माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट को एकीकृत करता है, जो एआई अपस्केलिंग प्रो के साथ कम रिजॉल्यूशन वाले कंटेंट को बेहतर विवरण, गहराई और कंट्रास्ट के साथ पेश करता है। कलर बूस्टर प्रो रंगों को अधिक जीवंत और वास्तविकता के करीब बनाता है, जबकि एआई साउंड कंट्रोलर कमेंट्री, संगीत और दर्शकों के शोर को संतुलित कर अविस्मरणीय साउंड अनुभव देता है।

इन खास ऑफर्स के तहत ग्राहक खरीदे गए मॉडल के आधार पर 92,990 रुपये तक का साउंडबार या 2,14,990 रुपये तक का टीवी मुफ्त पा सकते हैं। इतना ही नहीं, खरीदारी को और आसान बनाने के लिए सैमसंग 20% तक कैशबैक, शून्य डाउन पेमेंट और 30 महीने तक की आसान ईएमआई की सुविधा भी दे रहा है।

75 इंच और उससे बड़े आकार में उपलब्ध सैमसंग के विजन एआई बिग टीवी सिर्फ बड़ी स्क्रीन का अनुभव नहीं देते, बल्कि मनोरंजन की ऐसी दुनिया पेश करते हैं जो आने वाले समय की जरूरतों के लिए भी तैयार है। इनमें सैमसंग टीवी प्लस, सैमसंग केयर+, सैमसंग फाइनेंस+, साउंड प्लस और आर्ट प्लस जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

अनुसूचित जाति उप-वर्गीकरण के खिलाफ 26 जून के महामोर्चा को चर्मकार विकास संघ ने दिया समर्थन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अनुसूचित जाति उप-वर्गीकरण के विरोध में 26 जून 2026 को मुंबई के विधान भवन पर आयोजित होने वाले महामोर्चा की अग्रिम तैयारी शुरू हो गई है। इसी पार्श्वभूमी में दादर के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भवन में एक महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में चर्मकार विकास संघ ने महामोर्चा को अपना समर्थन दिया और बड़ी संख्या में चर्मकार समाज के लोगों को शामिल होने की अपील की।

बता दें कि इस बैठक में भीमराव आंबेडकर और आनंदराज आंबेडकर शामिल हुए। इसी तरह पूर्व समाज कल्याण मंत्री और विधायक राजकुमार बडोले, पूर्व समाज कल्याण मंत्री बबनराव घोलप, चर्मकार विकास संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय खामकर, मुंबई प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मराठे सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

इस मौके पर 26 जून को होने वाले महामोर्चा के सफल आयोजन के लिए विशेष तैयारी की गई। इस अवसर पर महामोर्चा के माइक्रोप्लानिंग करने का एकमत से निर्णय लिया गया। मौजूद लोगों ने अनुसूचित जाति के सभी 59 समाज घटकों को एकजूट बनाए रखने और न्याय और अधिकार के लिए बड़ी संख्या में शामिल होने का आहवान किया। मोर्चे की सफलता के लिए विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी अपने-अपने इलाकों में जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

वहीं चर्मकार विकास संघ के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष संजय खामकर और मुंबई प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मराठे ने संगठन की ओर से महामोर्चा को अपना पुरजोर समर्थन दिया है। इसके अलावा चर्मकार विकास संघ के मुंबई प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मराठे की ओर से मुंबई नगर और उपनगर में चर्मकार समाज की बस्तियों में महामोर्चा को सफल बनाने के लिए जगह जगह सभाएं ली जा रही हैं। मराठे ने इस महामोर्चा को सफल बनाने के लिए विशेष रूप से चेंबूर, धारावी, लालबाग (आंबेवाडी) गोरेगांव वरली, मलाड, बोरिवली, गोरेगांव और दहिसर इलाके में चर्मकार समाज की बस्तियों में जनजागरण शुरू करने का निर्णय लिया है। मराठे ने चर्मकार समाज के लोगों को इस महामोर्चा में हजारों की संख्या में शामिल होने का आहवान किया है।

आदित्य ठाकरे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरली विधानसभा के विधायक एवं आदित्य ठाकरे को उनके जन्मदिन के अवसर पर शुभचिंतकों द्वारा हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। मुंबई के बांद्रा स्थित कलानगर निवास पर आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) सहित अनेक लोगों ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आदित्य ठाकरे के स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान आदित्य ठाकरे ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया तथा उनके लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

जन्मदिन समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां समर्थकों और शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संजय उपाध्याय ने संजय राऊत के खिलाफ बोला करारा हमला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बेहद तीखी और विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने पीएम मोदी की तुलना मुगल शासक 'औरंगजेब' से की और उन्हें 'अघोरी' (क्रूर) तक कह दिया। बोरीवली के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने संजय राऊत पर करारा हमला बोलते हुए इस विकृति मानसिकता और हताशा में दिया गया बयान बताया। उन्होंने कहा कि जैसा डर छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर औरंगजेब के मन में रहता था, वैसा ही डर प्रधानमंत्री को लेकर संजय राऊत के मन में रहता है। उन्होंने कहा कि यह डर अच्छा है और संजय राऊत जैसे विकृति और खोखली मानसिकता वाले व्यक्ति के अंदर यह डर बना रहना चाहिए । उन्होंने कहा कि श्री राऊत को आत्म मंथन करना चाहिए कि हर सुबह उनके जुबान से इस तरह की घटिया सोच वाली बातें क्यों निकलती हैं।

उन्होंने कहा कि पूरी तरह से हताश और निराश हो चुके संजय राऊत अपने आका को खुश करने के लिए इस तरह की ओछी बयान बाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ इस तरह की बयान बाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी।

पालघर में 77 अवैध स्कूलों पर कार्रवाई, अभिभावक केवल मान्यता प्राप्त स्कूलों में ही दिलायें प्रवेश

◆बिना मान्यता स्कूल चलाने वालों पर जुर्माना और आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए जिला परिषद पालघर ने जिले में संचालित अवैध स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए जिले की 77 अनधिकृत प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों की सूची जारी करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों का प्रवेश इन स्कूलों में न कराने की अपील की गई है। जिला परिषद शिक्षा विभाग के अनुसार, बालकों का निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 18(5) के तहत बिना सरकारी मान्यता के स्कूल शुरू करना या संचालित करना गंभीर कानूनी अपराध है। ऐसे मामलों में संचालकों पर एक लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इसके अलावा नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर प्रतिदिन 10 हजार रुपये तक अतिरिक्त दंड का भी प्रावधान है। प्रशासन द्वारा जारी सूची के अनुसार जिले में सबसे अधिक 60 अवैध स्कूल वसई तहसील में पाये गये हैं। इसके अलावा पालघर तहसील में 15, जबकि दहानू और विक्रमगढ़ में एक-एक स्कूल अनधिकृत रूप से संचालित होते पाये गये हैं। कुल 77 स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन स्कूलों में मुख्य रूप से नालासोपारा, विरार, पेल्हार, दहिसर, कलंब, मालजीपाड़ा, बोलींज, बोईसर, सरावली, सातपाटी, नवली, केलवा रोड, सफाले और झांजरोली सहित विभिन्न क्षेत्रों के स्कूल शामिल हैं। जांच में पाया गया कि ये संस्थान शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक मानकों और नियमों की पूर्ति किये बिना संचालित हो रहे हैं। जिला परिषद के आदेशानुसार सभी अनधिकृत स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जायेगी। साथ ही इन स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को निकटवर्ती मान्यता प्राप्त स्कूलों में प्रवेश दिलाने के लिए शिक्षा विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गये हैं। अभिभावकों को जागरूक करने के लिए संबंधित स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर ह्लअनधिकृत स्कूलह्व के बोर्ड लगाये जायेंगे तथा व्यापक जनजागरण अभियान भी चलाया जायेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का पालन नहीं करने वाले स्कूल संचालकों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किये जायेंगे। इस कार्रवाई के लिए समूह शिक्षा अधिकारियों को अधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों का प्रवेश केवल शासन से मान्यता प्राप्त स्कूलों में ही कराया जाए तथा प्रवेश लेने से पहले संबंधित स्कूल की मान्यता अवश्य जांच लें। विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए किसी भी अनधिकृत स्कूल में प्रवेश न कराया जाए।

भिवंडी में महानगर गैस पाइपलाइन लीक होने से मचा हड़कंप, समय रहते टली बड़ी दुर्घटना

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के समीप राजनोली नाका क्षेत्र में शनिवार को महानगर गैस कंपनी की पाइपलाइन में गैस रिसाव होने से कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही महानगर गैस के आपातकालीन कर्मचारी तथा भिवंडी अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल दोनों ओर के वाल्व बंद कर स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। समय पर की गई कार्रवाई से संभावित बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार राजनोली नाका स्थित प्रशांत लॉज के पास नाले में महानगर गैस की पाइपलाइन बिछी हुई है। इसी स्थान पर ग्राम पंचायत की जलापूर्ति पाइपलाइन भी मौजूद है। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जमा कीचड और कचरे के कारण जल पाइपलाइन में रिसाव हो रहा था। इसकी मरम्मत के लिए जेसीबी मशीन से नाले की सफाई और कीचड निकालने का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान जेसीबी का धक्का गैस पाइपलाइन को लगने से उसमें रिसाव शुरू हो गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार इस पाइपलाइन के माध्यम से राजनोली नाका क्षेत्र के महिंद्रा एवं टाटा आमंत्रा आवासीय परिसरों सहित भादवड इलाके में गैस आपूर्ति की जा रही थी। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही महानगर गैस कंपनी के कर्मचारियों ने तत्काल दोनों ओर के वाल्व बंद कर दिए। सौभाग्य से जिस स्थान पर गैस रिसाव हुआ, वहां पानी की पाइपलाइन से लगातार पानी का रिसाव भी हो रहा था, जिससे गैस का प्रभाव अधिक नहीं फैल सका। अधिकारियों के अनुसार त्वरित कार्रवाई और अनुकूल परिस्थितियों के कारण एक बड़ी दुर्घटना टल गई। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से निगरानी बढ़ा दी गई है।

विधायक के प्रयास से भिवंडी में अस्थायी बस डिपो निर्माण की प्रक्रिया शुरू, बस यात्रियों को नहीं होगी कोई असुविधा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में नए अत्याधुनिक बस डिपो के निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वैकल्पिक अस्थायी बस डिपो स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विधायक महेश चौघुले की मांग पर महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल (एमएसआरटीसी) के मुंबई क्षेत्रीय कार्यकारी अभियंता कार्यालय ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए 72 लाख 84 हजार 808 रुपये की ई-निविदा जारी की है। गौरतलब है कि भिवंडी में 14 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक और सुविधायुक्त नए बस डिपो के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही इसका कार्य शुरू होने वाला है। निर्माण अवधि के दौरान एसटी बस सेवाएं और यात्रियों की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए अस्थायी बस डिपो की व्यवस्था की जा रही है। विधायक महेश चौघुले ने भिवंडी को आधुनिक बस डिपो उपलब्ध कराने के लिए पिछले कई वर्षों से लगातार प्रयास किए हैं। उन्होंने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाने के साथ-साथ परिवहन मंत्री और महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कर परियोजना को गति दिलाने का काम किया। अस्थायी बस डिपो बनने से प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी और एसटी बस सेवाएं बिना किसी बाधा के जारी रह सकेंगी। वहीं, नए बस स्टेशन के निर्माण के बाद भिवंडी शहर को आधुनिक सुविधाओं से युक्त, विस्तृत यात्री व्यवस्था और बेहतर परिवहन सेवाएं प्राप्त होंगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी मिलने पर विधायक महेश चौघुले ने राज्य सरकार, परिवहन विभाग तथा महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल का आभार व्यक्त किया है।

आनुवंशिक परीक्षण से जुड़े मिथक और उनकी असल हकीकत

मुंबई। आधुनिक स्वास्थ्य सेवा अब केवल 'बीमारी के इलाज' पर ध्यान देने के बजाय 'बीमारी से बचाव' की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इस बदलाव के बीच आनुवंशिक परीक्षण एक गेम-चेंजर के रूप में उभरा है। डीएनए में मौजूद विशिष्ट परिवर्तनों का विश्लेषण कर-के, यह तकनीक किसी व्यक्ति में लक्षण प्रकट होने से काफी पहले ही वंशानुगत कैंसर, हृदय रोग और अन्य दुर्लभ विकारों के जोखिमों की पहचान कर सकती है।

हालांकि, बढ़ती जागरूकता के बावजूद आज भी आनुवंशिक परीक्षण को लेकर कई गलत धारणाएं व्याप्त हैं, जो लोगों को इसे अपनी निवारक स्वास्थ्य यात्रा का हिस्सा बनाने से रोकती हैं। स्वास्थ्य प्रबंधन को अधिक सक्रिय और दूरदर्शी बनाने के लिए, इन आम मिथकों के पीछे की वैज्ञानिक सच्चाई को समझना बेहद जरूरी है। आनुवंशिक परीक्षण को लेकर समाज में कई गलत धारणाएं व्याप्त हैं, जिन्हें दूर करना बेहद आवश्यक है। अक्सर यह माना जाता है कि यह परीक्षण केवल बीमार लोगों के लिए है, जबकि वास्तविकता यह है कि इसका सबसे अधिक लाभ तब मिलता है जब स्वस्थ व्यक्ति इसे सक्रिय रूप से अपनाएं, ताकि वे वंशानुगत कैंसर या अन्य विकारों के छिपे हुए जोखिमों को समय रहते पहचान सकें। एक अन्य बड़ा मिथक यह है कि आनुवंशिक परीक्षण भविष्य की बीमारियों की बिल्कुल सटीक भविष्यवाणी कर सकता है; जबकि सच यह है कि आनुवंशिकी केवल संभावित 'जोखिम' का संकेत देती है, किसी निश्चित बीमारी का नहीं, क्योंकि अधिकांश बीमारियां आनुवंशिकी, जीवनशैली और पर्यावरण के जटिल संयोजन का परिणाम होती हैं। लोग यह भी सोचते हैं कि केवल स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से इस परीक्षण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है, परंतु हकीकत में स्वस्थ आदतों के बावजूद वंशानुगत जोखिम शरीर में मौजूद हो सकते हैं और यह परीक्षण जीवनशैली का विकल्प नहीं बल्कि उसका पूरक है, जो डॉक्टरों को व्यक्तिगत स्क्रीनिंग प्लान बनाने में मदद करता है। अंत में, इसे एक जटिल, दर्दनाक और खचीर्ली प्रक्रिया माना जाता है, जबकि आधुनिक अनुक्रमण तकनीकों और लैब ऑटोमेशन ने इसे बेहद सरल, सुलभ और किफायती बना दिया है, जिसमें केवल लार, गाल के स्वाब या रक्त के एक छोटे से नमूने की आवश्यकता होती है।

शिवसेना ने मीरा-भायंदर में विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्तियों की घोषणा की

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर। शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे के आशीर्वाद तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं शिवसेना मीरा-भायंदर संपर्क प्रमुख प्रताप सरनाईक के नेतृत्व में मीरा-भायंदर शहर में विभिन्न संगठनात्मक पदों पर नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। इन नियुक्तियों का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना, समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बढ़ाना तथा स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क को और सशक्त बनाना है। नियुक्तियों में सामाजिक प्रकोष्ठ, व्यापारिक गठबंधन, सोशल मीडिया, पुनर्विकास समिति, प्रवक्ता, सचिव, संयुक्त सचिव, एसआईआर प्रमुख तथा रिक्शा-टैक्सी संगठनों सहित विभिन्न पद शामिल हैं। इसके अलावा मीरा रोड, भायंदर पूर्व और भायंदर पश्चिम क्षेत्रों के नगर प्रमुखों, नगर समन्वयकों एवं महिला पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई है। शिवसेना मीरा-भायंदर जिला संगठन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनसे संगठन को मजबूत करने, जनसमस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहने तथा शिवसेना की विचारधारा को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया है। प्रमुख नियुक्तियांजिला स्तर राजू भोईर-जिला प्रमुख, निशा नार्वेकर -महिला जिला संगठक, विक्रम प्रताप सिंह - जिला समन्वयक, प्रीति पाटिल - महिला जिला समन्वयक, संजय पांगे -सचिव, मीरा-भायंदर एवं 145 विधानसभा (एसआईआर प्रमुख) भायंदर पूर्व सचिन मांजरेकर - शहर प्रमुख, मनोज राणे - नगर संयोजक, पूजा आमगांवकर - महिला शहर आयोजक, सुनीला शर्मा - महिला नगर समन्वयक मीरा रोड (वार्ड 12, 13, 14, 18) नवीन सिंह-नगर प्रमुख, प्रसाद सुर्वे - नगर समन्वयक, किरण गेदाम - महिला शहर आयोजक, रजनी नागपाल - महिला नगर समन्वयक मीरा रोड (वार्ड 9, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 22) संतोष गोले - शहर प्रमुख, अभिषेक कसोदरिया - नगर संयोजक, नयना वसानी- महिला शहर आयोजक,केहक्षा शेख - महिला नगर समन्वयक

भायंदर पश्चिम जितेंद्र पाठक-शहर प्रमुख कुणाल पुरोहित - नगर संयोजक, सरिता शिंदे -महिला नगर आयोजक, तेजस्वी पाटिल-महिला नगर समन्वयक अन्य संगठनात्मक नियुक्तियां, प्रवीण पाटिल - मीरा-भायंदर एसआईआर प्रमुख,महेश शिंदे- संयुक्त सचिव, दीप काकड़े -प्रवक्ता, रामभवन शर्मा -प्रवक्ता,

मुस्तफा वनरा - सोशल मीडिया प्रमुख,विजय राय -146 विधानसभा एसआईआर प्रमुख, राजेश वेटोस्कर -पुनर्विकास समिति प्रमुख, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रमुख, डॉ. राजेश पलांडे -डॉक्टर सेल प्रमुख, राजदेव पाल -वकील सेल प्रमुख, राजकुमार चौरसिया - हॉकर सेल प्रमुख, सुरेश पुरोहित-राजस्थानी समाज सेल प्रमुख, सुरेंद्र सिंह भाटी-राजस्थानी समाज प्रकोष्ठ प्रमुख,कपिल परमार -राजस्थानी समाज प्रकोष्ठ प्रमुख (भायंदर पश्चिम),दिनकर मोराडिया-गुजराती समाज सेल प्रमुख, सज्जी आई.पी.एस. - केरल समाज प्रमुख, शिव प्रसाद शेट्टी - दक्षिण भारतीय समाज सेल प्रमुख, सतीश झा -मैथिली समाज प्रकोष्ठ प्रमुख निरंजन मौर - ट्रेड अलायंस सेल प्रमुख, जयराम मेसे - धर्मवीर आनंद दिघे रिक्शा-टैक्सी एसोसिएशन प्रमुख, शिवसेना नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया।

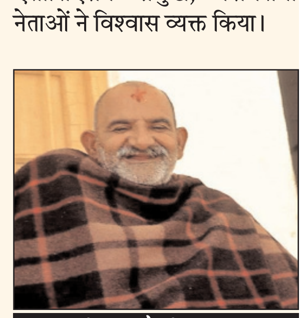

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

अज्ञात वाहन की टक्कर से भाई की मौत, शिक्षिका बहन गंभीर रूप से घायल

◆ सिटी रेलवे ब्रिज पर दर्दनाक हादसा

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सिटी रेलवे ब्रिज के समीप शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार भाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान ओमप्रकाश शर्मा (48) पुत्र रामाधार शर्मा निवासी रसूलाबाद, संक्रमण मंडी, थाना कोतवाली के रूप में हुई है। वहीं उनकी बहन प्रीति कश्यप, पत्नी रविंद्र कुमार, गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्रीति कश्यप केराकत क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं।

परिजनों के अनुसार दोनों भाई-बहन किसी निजी कार्य से भदोही गए थे। शुक्रवार रात करीब नौ बजे स्कूटी से जौनपुर लौटते समय सिटी रेलवे ब्रिज शुरू होने से पहले किसी अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ओमप्रकाश शर्मा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि प्रीति कश्यप गंभीर रूप से घायल हो गईं।

सूचना मिलते ही लाइन बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल शिक्षिका को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि उनके दाहिने पैर में गंभीर चोट आई है।

पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे में शामिल वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

इस हृदयविदारक हादसे से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने भी घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दोषी वाहन चालक की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था के चलते नाकाम रही भड़काऊ तत्वों की कोशिश

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ के इको गार्डन में बीते दिन आयोजित विशाल विरोध प्रदर्शन स्थानीय पुलिस प्रशासन की सतर्कता, रणनीतिक तैनाती और संवाद के चलते पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। करीब 10 हजार से अधिक लोगों की मौजूदगी वाले इस आयोजन पर प्रदेश भर की निगाहें टिकी थीं, लेकिन लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की चाक-चौबंद व्यवस्था के आगे भड़काऊ तत्वों की हर कोशिश नाकाम रही।

प्रदर्शन में देश की कई नामी कोचिंग संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिजीत दीपके की उपस्थिति ने माहौल की संवेदनशीलता बढ़ा दी थी। ऐसे में कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती थी। चुनौती को स्वीकारते हुए डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर के नेतृत्व में भारी पुलिस बल मैदान में उतरा। एडीसीपी जितेंद्र कुमार दुबे और एसीपी महानगर अंकित कुमार भी पूरी टीम के साथ मौके पर डटे रहे। सुरक्षा का खाका पहले से तय था। इको गार्डन के सभी प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर, बैरिकेडिंग और सीसीटीवी निगरानी लगाई गई। भीड़ के बीच वदीर्धारी जवानों के अलावा बड़ी संख्या में सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए गए। ड्रोन कैमरों से आसमान से निगरानी हुई और वीडियोग्राफी टीम ने हर गतिविधि रिकॉर्ड की। पीएसी की टुकड़ियां, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को स्टैंडबाय पर रखा गया ताकि किसी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। प्रदर्शन के दौरान बीच-बीच में कुछ असामाजिक तत्वों ने नारेबाजी कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, लेकिन तैनात पुलिस ने फौरन हस्तक्षेप किया। संवाद और सूझबूझ से स्थिति को संभाला गया।

पत्रकारों से भीड़ की तीखी बहस की नौबत आई, पर मौके पर मौजूद अधिकारियों ने दोनों पक्षों को अलग कर मामला शांत कराया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से कोई भी बात आगे नहीं बढ़ पाई और प्रदर्शन अनुशासित तरीके से आगे बढ़ता रहा। शाम करीब 5 बजे निर्धारित समय पर प्रदर्शन समाप्ति की घोषणा होते ही भीड़ ने शांति से मैदान खाली कर दिया। बिना किसी झड़प, तोड़फोड़ या गिरफ्तारी के आयोजन संपन्न होना लखनऊ पुलिस की कार्यशैली का प्रमाण माना जा रहा है। डीसीपी सेंट्रल ने कहा कि ह्हमारा मकसद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए शांति बनाए रखना था। जवानों की मुस्तैदी और जनता के सहयोग से यह संभव हो पाया।ह्स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने भी पुलिस प्रबंधन की सराहना की। उनका कहना था कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद ट्रैफिक और रोजमर्रा की गतिविधियां बाधित नहीं हुईं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक संवेदनशील माहौल में लखनऊ पुलिस ने संवाद, तकनीक और मैदानी मौजूदगी के त्रिसूत्र से एक मिसाल पेश की है।

इको गार्डन का यह प्रदर्शन यह संदेश देता है कि विरोध लोकतंत्र का अधिकार है, और जब प्रशासन मुस्तैदी से साथ खड़ा हो तो शांति भी उतनी ही मजबूत रहती है।

योग से जागता है ऊर्जा और आत्मविश्वास: कुलपति

प्रो.वंदना सिंह ने 600 एनसीसी कैडेटों को कराया योगाभ्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आयोजित विशेष योग सत्र में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के नेतृत्व में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का इनडोर स्टेडियम सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और उत्साह से सराबोर हो उठा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने स्वयं योग प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के लगभग 600 छात्र-छात्राओं को योग, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया।

इस अवसर पर कुलपति ने विभिन्न योगासनों एवं ध्यान की विधियों का प्रशिक्षण देते हुए योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और व्यक्तित्व विकास का सशक्त आधार है। योग व्यक्ति के तन, मन और आत्मा को जोड़कर जीवन को संतुलित, स्वस्थ और उद्देश्यपूर्ण बनाता है।

प्रो. वंदना सिंह ने कैडेटों से नियमित रूप से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में योग तनाव को कम करने और कार्यक्षमता बढ़ाने का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने बताया कि कई ऐसे सरल योगाभ्यास हैं जिन्हें अध्ययन या कार्यालय के दौरान बैठकर भी किया जा सकता है।

उन्होंने भारतीय ऋषि-मुनियों और महापुरुषों के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि योग के माध्यम से उन्होंने न केवल दीर्घायु प्राप्त की, बल्कि अद्भुत ऊर्जा, एकाग्रता और कार्यक्षमता का परिचय भी दिया। योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे अपनाकर युवा पीढ़ी स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेटों में विशेष उत्साह देखने को मिला। योगाभ्यास के बाद विद्यार्थियों ने इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन में अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मकता का वातावरण बना रहा, जिसने सभी प्रतिभागियों को योग के प्रति प्रेरित किया।

जनशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने की प्रवासी फाउंडेशन के कार्य योजना की सराहना

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल में रोजगार के बेहतर संसाधन मुहैया कराने और महानगरों की ओर हो रहे पलायन को रोकने के लिए स्थापित प्रवासी फाउंडेशन की कार्य योजना से उत्तर प्रदेश सरकार को अवगत कराने के क्रम में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को सविस्तार जानकारी दी गई। राजधानी स्थित कैबिनेट मंत्री के आवास पर प्रवासी फाउंडेशन की ओर से अभिज्ञान और पवन उपाध्याय ने सरकार द्वारा मिले सहयोग के लिए उन्हें आभार पत्र भेंट किया। इस दौरान अभिज्ञान उपाध्याय द्वारा जलशक्ति मंत्री को मुंगरा बादशाहपुर में संपन्न प्रवासी सम्मेलन और उसके बाद की योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि आगामी समय में रोजगार मेले का आयोजन जगह-जगह किया जायेगा और युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने की योजना है। इस पर स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, उनकी सरकार पूर्वांचल को औद्योगिक रूप से समृद्ध करने की योजना को निरंतर आगे बढ़ा रही है। वो दिन दूर नहीं, जब स्थानीय युवाओं को कहीं भी बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उन्हें अपने जिले में ही रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। जलशक्ति मंत्री ने अभिज्ञान उपाध्याय से कहा कि प्रवासी फाउंडेशन युवाओं को स्वरोजगार के प्रति जिस तरह से जागरूक कर रहा है, यह सराहनीय प्रयास है। इस कार्य में प्रवासी फाउंडेशन को यथा संभव सहयोग किया जायेगा।

शिवपुर थाना क्षेत्र के ऊंदी के पास पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में एसओजी प्रभारी गौरव कुमार सिंह ने अपनी टीम और शिवपुर पुलिस की संयुक्त टीम के साथ बदमाशो की आने की सूचना पर की थी घेराबंदी। रोके जाने पर बदमाशों ने पुलिस बल पर की फायरिंग। जवाबी फायरिंग में शातिर बदमाश विशाल को पैर में लगी गोली, मौके से भाग रहा उसके साथी रोहित को भी एसओजी के जवानों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। घायल बदमाश विशाल के खिलाफ पहले से भी एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है। जानकारी के अनुसार विशाल ने ही पिछले दिनों शिवपुर थाना क्षेत्र में जीएसटी अधिकारी के यहाँ हुई करोड़ो की चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

जौनपुर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, क्षेत्राधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने पुलिस महकमे में महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया है। जारी आदेश के तहत कई क्षेत्राधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है।

पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अजय राय को क्षेत्राधिकारी केराकत की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, परमानंद कुशवाहा को क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पद से स्थानांतरित कर क्षेत्राधिकारी जौनपुर सदर नियुक्त किया गया है। पुलिस विभाग में हुए इस फेरबदल को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों की नई तैनाती से जनपद में पुलिस व्यवस्था को और अधिक गतिशील बनाने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं मड़ियाहूं के तेज तर्रार व ईमानदार छवि के क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा के स्थानांतरण होने की जैसे ही सर्किल क्षेत्र के लोगों को पता चली लोग काफी मायूस हो गये क्षेत्रीय लोगों की माने तो ये ऐसे अधिकारी थे जो सरल तरीके बड़े से बड़े समस्याओं का समाधान ढूंढ निकालते थे।

जौनपुर सदर में 10 हजार से अधिक फर्जी मतदाता बनाने का आरोप, पुनः जांच की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने आरोप लगाया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जौनपुर सदर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में 10 हजार से अधिक फर्जी नाम शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एक ही व्यक्ति का नाम, पिता का नाम और अन्य विवरण समान होने के बावजूद अलग-अलग बूथों पर कई बार दर्ज किया गया है। इसी प्रकार अनेक महिलाओं के नाम भी विभिन्न बूथों पर बार-बार शामिल किए गए हैं।

अरशद खान ने दावा किया कि यदि जौनपुर सदर विधानसभा में ही इतनी बड़ी संख्या में फर्जी नाम पाए जा रहे हैं तो पूरे प्रदेश में इनकी संख्या लाखों में हो सकती है। उन्होंने इसे लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया।

उन्होंने जिलाधिकारी जौनपुर से जनपद की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों की पुनः गहन जांच कराने तथा फर्जी नामों को हटाकर शुद्ध मतदाता सूची प्रकाशित करने की मांग की है। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग को पत्र भेजकर पूरे उत्तर प्रदेश की मतदाता सूचियों की दोबारा जांच कराने की भी मांग की है। पूर्व विधायक ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का पारदर्शी और त्रुटिरहित होना आवश्यक है तथा चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

12 जून 1975 : 'भारतीय लोकतंत्र का ऐतिहासिक दिन' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। डॉ.राम मनोहर लोहिया पी.जी. कॉलेज भैरवतालाब तथा राजातालाब तहसील परिसर में ह्ल12 जून 1975 : भारतीय लोकतंत्र का ऐतिहासिक दिनह्व विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 12 जून 1975 के महत्व तथा उसके दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डालना था।

वक्ताओं ने बताया कि 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अवैध घोषित करते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय दिया था।यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका की स्वतंत्रता, संविधान की सर्वोच्चता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाता है। वक्ताओं ने यह भी बताया कि 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा गांधी के निर्वाचन को निरस्त किए जाने के बाद देश में राजनीतिक अस्थिरता और विरोध प्रदर्शनों का दौर तेज हो गया। लोकनायक लोकबंधु राजनारायण के नेतृत्व में इंदिरा गांधी से इस्तीफे की मांग जोर पकड़ने लगी। इस राजनीतिक संकट और बढ़ते जनदबाव के बीच 25 जून 1975 की मध्यरात्रि को देश में आंतरिक अशांति का हवाला देते हुए आपातकाल (इमरजेंसी) घोषित कर दिया गया। आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध लगाए गए, अनेक विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया गया तथा प्रेस की स्वतंत्रता पर भी नियंत्रण स्थापित किया गया।संगोष्ठी में विशेष रूप से लोकबंधु राजनारायण जी की भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि राजनारायण जी ने 1971 के रायबरेली लोकसभा चुनाव में चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उनके द्वारा दायर याचिका के आधार पर दिया गया यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुआ। राजनारायण जी के संघर्ष, साहस और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उपस्थित जनों ने स्मरण किया।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और नागरिक उत्तरदायित्व पर अपने विचार व्यक्त किए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आशुतोष कुमार ने की। संगोष्ठी को संबोधित करने वालों में प्रबंधक सुशील सिंह तोयज, तहसीलबार के पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार सिंह, हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट विशाल नारायण सिंह, प्रोफेसर सुमन लता, प्रोफेसर एन एन राय, डॉक्टर के एस पाठक, रवि कुमार, एडवोकेट सुशील सिंह आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग द्वारा खेत बचाओ अभियान एवं विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को जनपद ग्राम नसीरूद्दीनपुर, मीरपुर, अब्बोपुर बड़ागांव विशुनपुर लेबरुआ एवं अमरौना में किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जैव-उर्वरकों के उपयोग तथा सतत कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करना था।

डा.रमेश चंद्र यादव उप परियोजना निदेशक (आत्मा) कृषि प्रसार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मिट्टी केवल एक भौतिक माध्यम ही नहीं, बल्कि एक जीवित माध्यम है जिसकी उर्वरा शक्ति बनाए रखना भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने फसल विविधीकरण, खरीफ फसलों की उन्नति शील तकनीकों, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया।

डा.राजीव सिंह केवीके बक्शा ने मृदा में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका और जैव-उत्पादों के वैज्ञानिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन उत्पादों के प्रयोग से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है तथा खेती की लागत कम होती है।

डा. रूपेश सिंह केवीके बक्शा ने मृदा परीक्षण आधारित संतुलित पोषण प्रबंधन और जैव-उर्वरकों के वैज्ञानिक प्रयोग का प्रदर्शन किया।

मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक का प्रयोग करें किसान

डा. हरिओम वर्मा केवीके बक्शा ने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि मिट्टी एक जीवित तंत्र है, जिसे स्वस्थ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डा. सुरेन्द्र सोनकर (केवीके, बक्शा) ने हरी खाद, मृदा परीक्षण और आवश्यकता आधारित संतुलित उर्वरक उपयोग के लाभों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को जैव-उर्वरक एवं जैव-नियंत्रक उत्पाद बायोडर्मा (ट्राइकोडर्मा) वितरित किए गए। साथ ही किसानों को निम्न विषयों पर तकनीकी साहित्य भी प्रदान किया गया।

डा. गजेन्द्र सिंह ने संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, डा. दिनेश कुमार ने सूक्ष्मजीव आधारित जैव-उर्वरक ट्राइकोडर्मा के उपयोग, इंजीनियर वरुण कुमार ने मृदा नमूना लेने की वैज्ञानिक विधि की विस्तृत जानकारी दी। संवाद सत्र में किसानों ने मृदा उर्वरता, फसल पोषण एवं जैव-उर्वरकों से जुड़ी समस्याओं पर विशेषज्ञों से चर्चा कर समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सहित सैकड़ों किसानों ने सहभागिता की।

किसानों ने मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा जैविक खादों,जैव-उर्वरकों को अपनाकर सतत एवं लाभकारी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

28 जून से प्रारम्भ होगा सघन पल्स पोलियो अभियान, जनपद के 6 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो रोधी खुराक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार देर सायं सघन पल्स पोलियो अभियान-2026 के सफल एवं प्रभावी संचालन हेतु जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारम्भ 28 जून 2026 (रविवार) को बूथ गतिविधियों के साथ किया जाएगा। अभियान के प्रथम दिवस जनपद के समस्त पोलियो बूथों पर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाई जाएगी। इसके उपरांत 29 जून से 03 जुलाई तक आशा, आंगनबाड़ी एवं एएनएम कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाई जाएगी तथा 05 जुलाई को बी-टीम गतिविधि संचालित की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सघन पल्स पोलियो अभियान हेतु जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

बैठक में बताया गया कि अभियान के सफल संचालन हेतु जनपद में कुल 1,866 पोलियो बूथ, 1,242 घर-घर भ्रमण टीमें, 105 ट्रांजिट टीमें तथा 52 विशेष टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, प्रमुख चौराहों एवं ईंट-भट्टों जैसे संवेदनशील स्थलों पर विशेष रूप से कार्य करेंगी। अभियान के अंतर्गत 6,06,187 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने तथा 7,65,825 घरों का भ्रमण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान जनस्वास्थ्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है तथा इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद का कोई भी शून्य से पांच वर्ष तक का बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहने पाए तथा अभियान की नियमित निगरानी, प्रभावी पर्यवेक्षण एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने पंचायत राज विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, ग्राम प्रधानों एवं अन्य संबंधित विभागों को अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ब्लॉक स्तर पर समस्त स्वास्थ्य कर्मियों को चिकित्साधिकारियों की देखरेख में बिंदुवार एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी आशा, आंगनबाड़ी एवं एएनएम कार्यकर्ता ब्लॉकवार ट्रेनिंग कराई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों के संबंध में चिकित्सकीय दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर एवं बक्शा के एमओआईसी का एक दिन का वेतन बाधित करने तथा स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों एवं चिकित्सा अधीक्षकों की टीम गठित करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में अपंजीकृत एवं अवैध चिकित्सालयों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाकर आवश्यक विधिक एवं दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जन-जागरूकता अभियान एनसीसी कैम्पों, शैक्षणिक संस्थानों, क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यकताओं तथा सोशल मीडिया, एवं पेपम्लेट आदि के माध्यम से व्यापक स्तर पर जागरूक किया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षकगण तथा विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर द्वारा विशेष जनसंपर्क एवं जन–जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत दिनांक 13 जून 2026 को ग्राम पंचायत भवन, डाल्हनपुर, जनपद जौनपुर में विशेष जनसंपर्क एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल के मार्गदर्शन एवं डॉ. अनुज सिंह, विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग के पर्यवेक्षण में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा0 अनुज सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से अब तक देश में हुए व्यापक परिवर्तन एवं प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयासह्व के मूल मंत्र के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी एवं जनसहयोग आवश्यक है।

उन्होंने सरकार की योजनाओ जैसे मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर जल योजना तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को समाज की कल्याणकारी योजनाओ का जिक्र करते हुए देश के चतुमुर्खी विकास हेतु प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

उसके उपरान्त डा0 सिंह द्वारा सरकार की स्वास्थ्य सम्बन्धी सुधारों का भी उल्लेख किया गया जैसे आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्रधनुष, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम इत्यादि।

इस अवसर पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की सहायक आचार्य डा0 पूजा पाठक ने बताया कि महिलाओं का स्वास्थ्य, परिवार एवं समाज के समग्र स्वास्थ्य का आधार है। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान नियमित प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव, एनीमिया की रोकथाम, संतुलित पोषण, परिवार नियोजन सेवाओं तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता बनाए रखने, स्तन कैंसर एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की समय पर जांच कराने तथा किसी भी स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में शीघ्र चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए जागरूक किया।

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मुदित चौहान ने गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की बढ़ती चुनौती पर चर्चा करते हुए बताया कि वर्तमान समय में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर एवं गुर्दे की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इन रोगों की समय पर पहचान एवं उचित उपचार से गंभीर जटिलताओं को रोका जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचने, संतुलित आहार लेने तथा नियमित व्यायाम करने की सलाह दी।

डॉ. अनिल कुमार ने स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोगों की रोकथाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वास्थ्य समाज के निर्माण के लिए केवल उपचार ही नहीं बल्कि रोकथाम भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की नियमित जांच, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, व्यक्तिगत स्वच्छता, योग एवं शारीरिक गतिविधियों के महत्व की जानकारी दी तथा उपस्थित लोगों के स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों का समाधान किया।

डॉ. नवीन कुमार ने अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम शासन एवं जनता के मध्य संवाद को सुदृढ़ बनाते हैं, जिससे आम नागरिकों का सरकारी योजनाओं एवं व्यवस्थाओं के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य तभी साकार होगा जब प्रत्येक नागरिक राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा और समाज के विकास में योगदान देगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्राम प्रधान श्री कपिल देव सिंह एवं मेडिकल कालेज के मेडिकल सोशल वर्कर रमाकांन्त शिल्पा भूषण, रवि यादव, रोली यादव, संतोष सरोज, उज्ज्वल सरोज एवं सौरभ सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बेनामे की जमीन पर बाउंड्री वॉल निर्माण के दौरान हमला,पीयूष यादव ने दबंग पड़ोसियों पर लगाया मारपीट का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के रारीपरियाव गांव में जमीन संबंधी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए संघर्ष में कई लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष के पीयूष यादव ने आरोप लगाया है कि बेनामे की जमीन पर बाउंड्री वॉल का निर्माण कराए जाने के दौरान पड़ोस के कुछ दबंग लोगों ने उन पर और उनके भाई पर हमला कर दिया। पीयूष यादव के अनुसार वह अपनी क्रय की गई जमीन पर बाउंड्री वॉल का कार्य करा रहे थे। इसी दौरान लगभग सात लोगों की संख्या में पहुंचे विपक्षी पक्ष के लोगों ने निर्माण कार्य का विरोध करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपितों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें उनके भाई को गंभीर चोटें आईं। घायल का उपचार अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमले के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। मारपीट में एक पक्ष के तीन तथा दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। सूचना मिलने पर लाइन बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों से तहरीर प्राप्त कर ली गई है तथा घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट एवं जांच के आधार पर विधिक कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और विवाद के कारणों की पड़ताल की जा रही है। पीड़ित पक्ष ने आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सड़क हादसे में साइकिल सवार वृद्ध की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक थाना क्षेत्र में वाराणसी-आजमगढ़ मुख्य मार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में साइकिल सवार वृद्ध की मौत हो गई। कनौरा के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए सरोज ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताते है कि अइलिया निवासी 60 वर्षीय महेंद्र सरोज अपने घर से साइकिल पर कजहित बाजार जा रहे थे। इसी दौरान कनौरा के समीप एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल जौनपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस दुर्घटना में शामिल मोटरसाइकिल और उसके चालक की तलाश कर रही है।

झाड़ियों में पड़ा मिला नवजात बच्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज थाना क्षेत्र के भटपुरा गांव में सड़क किनारे झाड़ियों के बीच एक बोरे में नवजात शिशु मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात शिशु को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

चिकित्सकों के अनुसार बच्चे की हालत फिलहाल स्थिर है और उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा नवजात को वहां छोड़ने वाले व्यक्ति की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही जिम्मेदार व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।

आयरमानिस ढाबा के पास भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

विशाल सोनी

सबरहद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार की कहर से एक युवक जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। जानकारी के अनुसार कोतवाली शाहगंज के ग्राम अक्खनसराय निवासी 30 वर्षीय अंकित प्रजापति पुत्र सुभाष प्रजापति शनिवार की दोपहर अपने घर से बाइक पर सवार पर सवार अपने पिता की दुकान पर गोरारी जा रहा था।की रास्ते पर आयरमानिस ढाबा के निकट विपरीत दिशा से आरही तेज रफ़्तार स्कार्पियो ने टक्कर मार दी जिससे वह बाइक सहित दूर छटक गया और गम्भीर रूप से घायल हो गया।आनन फानन में स्थानीय लोगों ने उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतू जिला अस्पताल रेफर कर दिया।बताया जा रहा हैं।वहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

खानम आर्ट गैलरी समर कैंप का भव्य समापन, प्रमाण पत्र वितरण समारोह संपन्न

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। खानम आर्ट गैलरी करेली का 15 दिवसीय समर कैंप आज भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस कैंप में केजी से बीए तक के बच्चों ने स्केचिंग, ड्रॉइंग, कलरिंग, पेंटिंग के साथ-साथ नेचर ड्रॉइंग और पर्यावरण संरक्षण का महत्व सीखा। कैंप की विशेषता रही एक्रिलिक ऑन कैनवस पेंटिंग, पेपर बैग मेकिंग, गोल्डन ट्रीज आर्ट और अंतिम क्लास में डिजाइनर कप-केक डेकोरेशन प्रशिक्षक सबा बानो ने सिखाया ।प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश देते हुए पेपर बैग बनाए जिसे प्रशिक्षक सुधा ने सिखाया।

सभी ने पर्यावरण रक्षा का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कलाकार व राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य रवीन्द्र कुशवाहा ने सभी प्रतिभागियों एवं श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र व मेडल देकर पुरस्कृत किया। गैलरी निदेशक डॉ जाहेद खानम ने मुख्य अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा को अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह गिफ्ट पैक से सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि डॉ सारा मुख्तार रही । खानम आर्ट गैलरी की डायरेक्टर डॉ. जाहेदा खानम ने कहा बच्चों ने जो सीखा वो सिर्फ कला नहीं, जीवन के संस्कार हैं। ये बच्चे अपने परिवार, समाज और पर्यावरण के लिए एक नई सोच लेकर आगे बढ़ेंगे।

विद्युत पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के खरौना गांव में शनिवार को एक भैंस की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने बिजली विभाग की लापरवाही को हादसे का जिम्मेदार ठहराया है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी लल्लू राजभर की भैंस शनिवार को रोजाना की तरह घास चरने के लिए निकली थी। इसी दौरान गांव में लगे एक विद्युत पोल में करंट प्रवाहित हो रहा था। भैंस जैसे ही पोल के संपर्क में आई, वह करंट की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत पोल में करंट उतरना बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पशुपालक को उचित मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ऐसे विद्युत पोलों की मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में किसी बड़ी जनहानि की घटना भी हो सकती है।

किसान था पहला इनोवेटर, कारीगर हैं आत्मनिर्भर भारत की ताकत : योगी

सुरेश गांधी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि भारत की असली ताकत उसके किसान, कारीगर और उद्यमी हैं। एक समय किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि नवाचार करने वाला पहला इनोवेटर था और भारतीय व्यापारी देश को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी। उन्होंने कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य लोककल्याण है और दुनिया में जिन देशों ने प्रगति की है, उनके विकास के केंद्र में यही भावना रही है।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में विज्ञान भारती के सातवें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, कृषि व्यवस्था और व्यापारिक कौशल ने कभी देश को वैश्विक अर्थव्यवस्था में अग्रणी बनाया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता से पहले भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी लगातार घटती गई, इसलिए हमें अपनी परंपराओं और वैज्ञानिक सोच के समन्वय से आगे बढ़ना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि कभी घाटे का सौदा नहीं थी। किसान अपनी जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप नवाचार करता था। भारत आज भी कृषि प्रधान देश है और कृषि तथा एमएसएमई क्षेत्र उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2017 के बाद ₹एक जिला-एक उत्पाद₹ योजना के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को नया बाजार उपलब्ध कराया है। डिजाइन, पैकेजिंग और विपणन की सुविधाओं से उन्हें वैश्विक मंच मिला है। योगी ने बताया कि उत्तर प्रदेश का निर्यात दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है, जिसमें एमएसएमई क्षेत्र की बड़ी भूमिका है।

प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में लगभग तीन करोड़ लोग कार्य कर रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं और बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय कमी आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां गंगा के प्रति भारत की सनातन आस्था रही है और भारतीय संस्कृति में प्रकृति तथा विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने किसानों को रसायनों के अनावश्यक प्रयोग से बचने की सलाह देते हुए ऑर्गेनिक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही अनुसंधान और नवाचार को विकसित भारत की अनिवार्य आवश्यकता बताया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इस दौरान विज्ञान भारती की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. शेखर पांडेय, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, बीएचयू के कुलपति प्रो. अजीत चतुर्वेदी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

अधिवेशन से पहले मुख्यमंत्री ने बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान में लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 200 बेड के सात मंजिला अत्याधुनिक नेशनल सेंटर फॉर एजिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य को समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। यह केंद्र देश का तीसरा और उत्तर भारत का प्रमुख जरा चिकित्सा संस्थान होगा। यहां बुजुर्गों के लिए मल्टी-स्पेशियलिटी ओपीडी, मेमोरी क्लिनिक, गठिया क्लिनिक, आईसीयू, पुनर्वास सेवाएं और आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही जरा चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सकों और नर्सों के प्रशिक्षण तथा अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा।

पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भवानजी के नेतृत्व में दादर में नशाखोरी के खिलाफ प्रदर्शन

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी के नेतृत्व में गत दिवस दादर स्टेशन के पास नशाखोरी के खिलाफ एक प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसमें सरकार से अनुरोध किया गया कि सरकार सभी प्रकार के नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाए और नशे की कारोबार में लगे लोगों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करे। बता दें कि हाल ही में मुंबई के ठरउक वर्ली डोम में एक लाइव म्यूजिक इवेंट के दौरान एक शख्स की मौत हो गई. मृतक युवक की पहचान 28 साल के वृषभ महेंद्र गंगुर्डे के तौर पर हुई है, जो माहिम इलाके में रहता था और अपने दोस्तों के साथ इवेंट में आया था. जानकारी के मुताबिक वृषभ ने अपने दोस्तों के साथ बहुत ज्यादा शराब पी थी. इवेंट के दौरान भीड़ में वृषभ और उसकी एक दोस्त की तबीयत खराब हो गई. इसके बाद, दोनों को पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. पुलिस ने बताया कि वृषभ की मौत हो गई, जबकि वृषभ के साथ मौजूद उसकी दोस्त की हालत स्थिर है. घटना रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है, जब युवक की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी. सूत्रों के मुताबिक लड़का डांस करते-करते अचानक गिर गया और उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया था। प्रारंभिक जांच में सूत्रों ने बताया कि युवक ने बड़ी मात्रा में शराब का सेवन किया था और वह नशे की हालत में था. युवक के साथ एक युवती भी मौजूद थी, जिसने भी कथित तौर पर शराब का सेवन किया था. दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई, जबकि युवती की हालत स्थिर बताई जा रही है.

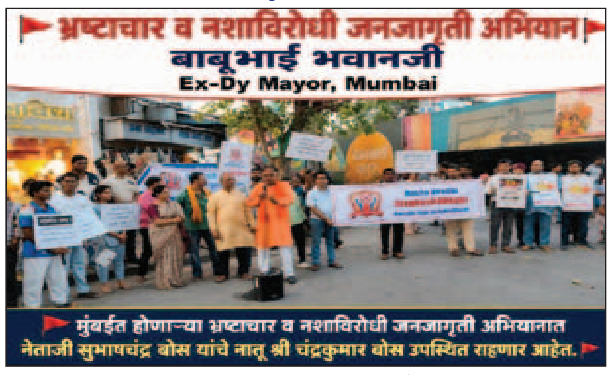

प्रदर्शन के दौरान भवानजी ने कहा कि नशे की लत से युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। हर कालेज के पास आज नशे के पदार्थ बिक रहे हैं और ऐसे संगीत कार्यक्रमों में लोग खुलेआम नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे कार्यक्रमों की इजाजत नहीं देनी चाहिए। अभी कुछ दिनों में रेसकोर्स के पास संगीत फेस्टिवल होने जा रहा है सरकार को उस पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही मुंबई में एक विशाल नशा विरोधी रैली का आयोजन किया जाएगा जिसमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पौत्र श्री चंद्र कुमार बोस जी भी भाग लेंगे। भवानजी ने मुंबई के सभी नागरिकों का आवाहन किया है कि वे नशा विरोधी कार्यक्रम का हिस्सा बनें और युवा पीढ़ी को बर्बाद होने से बचाएं।

कमलावती पाठक की पुण्यतिथि पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित खालिसपुर गांव निवासी वरिष्ठ समाजसेवी पंडित जयप्रकाश पाठक की धर्मपत्नी कमलावती देवी की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर आज रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चार पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक विधि विधान से कार्यक्रम संपन्न कराया। पंडित जयप्रकाश पाठक के सुपुत्र तथा पंडित आर आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल के प्रबंधक विभव प्रकाश पाठक, एडवोकेट उदधि प्रकाश पाठक तथा प्रधानाचार्य विरद प्रकाश पाठक ने अपनी अपनी धर्मपत्नी के साथ रुद्राभिषेक संपन्न किया। परिवार के बेद प्रकाश पाठक, शिवांजल, ज्ञान प्रकाश, सूर्य प्रकाश, सत्य प्रकाश, चंद्र प्रकाश तथा विदनेश ने आगंतुकों का स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, प्रबंधक विनोद तिवारी, धीरेंद्र मिश्रा, राजेंद्र प्रसाद उपाध्याय, विग्नेश पाठक, घनश्याम पाठक, प्रदीप पाठक, आशीष पाठक समेत अनेक प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

देवकली में अनियंत्रित कार आगे चल रहे ट्रेलर से टकराई, चार की मौत,

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के कस्बा बाजार के पास बरडीहा मोड़ स्थित आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार आर्टिका कार के सामने चल रहे ट्रेलर से टकराने के कारण चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में डाल्टनगंज छोटी मस्जिद के सामने स्थित किताब घर के संचालक हाफिज रज्जाक, जनता मेडिकल से जुड़े कैश अंकल, सब्जी मंडी के व्यवसायी शोहराब राईन तथा वाहन चालक शामिल हैं। सभी श्रद्धालु किछौछा शरीफ से जियारत कर अपने घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आर्टिका कार तेज गति से वाराणसी की ओर जा रही थी। इसी दौरान बरडीहा मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई। हादसे में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक युवक की अस्पताल में मौत हो गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने अपना नाम अजमल आलम पुत्र लाल मोहम्मद बताया। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और उसे क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता दी। वहीं, कार चालक का आधा शरीर वाहन में फंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। सूचना मिलते ही देवगांव पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों और मृतकों को संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय लालगंज भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बाद में उपचार के दौरान एक अन्य घायल की भी मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई। खबर लिखे जाने तक पुलिस मृतकों की शिनाख्त कराने के साथ ही हादसे के कारणों की जांच कर रही थी। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया।

इंश्योरेंस पैकेज दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गैंग गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बजाज कंपनी में लोन, इन्वेस्टमेंट, टूर एंड ट्रैवल्स तथा इंश्योरेंस पैकेज दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गैंग के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन, फर्जी आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक, चेकबुक और ठगी की रकम समेत बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार 12 जून की रात थाना साइबर क्राइम के प्रभारी निरीक्षक महेश पाल सिंह की टीम ने सुखलालगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास से आरोपी शुभम सिंह निवासी पपरावन, थाना बरसठी को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ थाना साइबर क्राइम में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बजाज कंपनी में लोन, निवेश और बजाज रन टूर एंड ट्रैवल्स एवं इंश्योरेंस पैकेज उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। फर्जी वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें फोन और व्हाट्सएप पर

भरोसे में लिया जाता था। इसके बाद प्रोसेसिंग फीस, वेरिफिकेशन शुल्क, इंश्योरेंस चार्ज, कैशबैक और लोन अप्रूवल जैसी विभिन्न मदों के नाम पर रकम जमा कराई जाती थी। आरोपी ने फर्जी आधार कार्ड बनाकर सिम कार्ड हासिल किए और उन्हीं के माध्यम से ठगी का नेटवर्क संचालित किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर स्वयं, अपने परिचितों और बजाज रन टूर एंड ट्रैवल्स फर्म के नाम से कई बैंक खाते खुलवा रखे थे। ठगी की रकम इन खातों में मंगवाकर एटीएम, चेकबुक और सीएससी केंद्रों के जरिए तत्काल निकाल ली जाती थी।

पीटर इंग्लैंड ने बिहार में खोला अपना सबसे बड़ा स्टोर, नई रिटेल पहचान की शुरूआत

पटना(उत्तरशक्ति)। आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड के लोकप्रिय मेन्सवियर ब्रांड पीटर इंग्लैंड ने बिहार में अपने सबसे बड़े स्टोर के उद्घाटन के साथ अपनी नई रिटेल पहचान पेश की है। पटना के कंकड़बाग में स्थित यह फ्लैगशिप स्टोर करीब 3,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में दो मंजिलों पर फैला हुआ है और यह देश का पहला पीटर इंग्लैंड स्टोर है, जहां ब्रांड की नई रिटेल पहचान को प्रदर्शित किया गया है। यह नया स्टोर ग्राहकों को पीटर इंग्लैंड की पूरी दुनिया का अनुभव एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराता है। यहां प्रतिष्ठित ग्रिफिन लोगो वाले डेनिम, क्रिकेट से प्रेरित लाइफस्टाइल कलेक्शन 'द जेंटलमैन्स लीग', आकर्षक फॉर्मल वियर और 'द बॉलीवुड वेडिंग' कलेक्शन के खास अवसरों के लिए तैयार परिधान उपलब्ध हैं। गुणवत्ता, बेहतरीन कारीगरी और बेहतर खरीदारी अनुभव को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फ्लैगशिप स्टोर भारत में पीटर इंग्लैंड की नई रिटेल यात्रा की शुरूआत का प्रतीक है।

पीटर इंग्लैंड की यह नई पहचान उसके विकास की अगली कड़ी है। 1889 में लंदनडेरी से शुरू हुई इस विरासत ने भारत में पिछले लगभग 30 वर्षों के दौरान भरोसे, गुणवत्ता और सुलभ फैशन की मजबूत पहचान बनाई है। अब ब्रांड उत्पादों, स्टोरीटेलिंग, ब्रांड पहचान और रिटेल अनुभव के स्तर पर खुद को नए दौर के अनुरूप ढाल रहा है, ताकि वह आधुनिक और प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हुए अपने मूल मूल्यों को बरकरार रख सके।

स्टोर का नया बाहरी स्वरूप (फैकेड) ब्रांड की अधिक परिष्कृत और आत्मविश्वासी पहचान को दर्शाता है। वहीं, इसमें लगी डायनेमिक डिजिटल स्क्रीन ग्राहकों को विज्ञापनों, उत्पादों और ब्रांड की कहानियों से जोड़ने का एक आधुनिक माध्यम बनती है, जो समय और सीजन के साथ बदलती रहती है।

स्टोर के अंदर भी ब्रांड की विरासत को खूबसूरती से पिरोया गया है। पीटर इंग्लैंड के प्रतिष्ठित 'प्रिंस ऑफ वेल्स चेक' डिजाइन का इस्तेमाल डेनिम सेक्शन की फ्लोरिंग और ट्रायल रूम्स में किया गया है। इसके अलावा, ग्रिफिन पहचान, शर्ट निर्माण की विरासत और कारीगरी से जुड़े डिजाइन तत्व पूरे स्टोर में देखने को मिलते हैं, जिससे यह जगह एक साथ परिचित भी लगती है और पूरी तरह आधुनिक भी।

इस अवसर पर पीटर इंग्लैंड के चीफ बिजनेस ऑफिसर आनंद अय्यर ने कहा, ₹बिहार हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, जहां गुणवत्ता और स्टाइल के प्रति लोगों की पसंद लगातार बढ़ रही है। पटना का यह फ्लैगशिप स्टोर हमारे नए रिटेल अध्याय की शुरूआत है। हमारी नई पहचान आधुनिकता और प्रीमियम अनुभव को उस विरासत और कारीगरी के साथ जोड़ती है, जिसने शुरूआत से ही पीटर इंग्लैंड को खास बनाया है। हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 के अंत तक इस नई रिटेल पहचान को देशभर के 100 स्टोर्स तक पहुंचाना है।₹

ब्रांड की नई डिजाइन सोच पर प्रकाश डालते हुए क्रिएटिव डायरेक्टर और वीपी डिजाइन प्रियांक करानम ने कहा, ₹फ्लूटेड पिलर्स, 'प्रिंस ऑफ वेल्स चेक' और ग्रिफिन जैसे डिजाइन तत्व केवल सजावट नहीं हैं, बल्कि हमारी लंदनडेरी विरासत की कहानी को जीवंत बनाने का माध्यम हैं। यह नई पहचान अधिक आधुनिक, अधिक विचारशील और अधिक प्रीमियम है। यह वही पीटर इंग्लैंड है, जिसे आज के दौर के लिए नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया है।₹

कंकड़बाग का यह फ्लैगशिप स्टोर पीटर इंग्लैंड की व्यापक रिटेल बदलाव यात्रा का पहला कदम है। इसके जरिए ब्रांड भरोसे, सुलभता और उत्कृष्ट कारीगरी जैसी अपनी पुरानी खूबियों को बरकरार रखते हुए ग्राहकों को अधिक आधुनिक और बेहतर अनुभव देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ओपनिंग वीकेंड के दौरान आने वाले ग्राहक सभी श्रेणियों में 2,000 रुपये और उससे अधिक की खरीदारी पर 500 रुपये की विशेष शुरूआती छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही, वे स्टोर के अंदर आयोजित होने वाले विशेष अनुभवों के एक क्यूरेटेड प्रोग्राम का भी आनंद ले सकते हैं।